हरिभूमि
हिसार-हांसी भूमि
रोहतक, सोमवार 27 जुलाई 2026

12 स्वदेशी जागरण मंच के सावन तीज महोत्सव में...

12 कल्चरल फेस्ट में नारनौंद मॉडल स्कूल ओवरऑल...

खबर संक्षेप

आज रात से बदलेगा मौसम 30 तक बरसात के आसार

हिसार। इस बार मानसून की कमजोर चाल के कारण जिले में अब तक अपेक्षित बारिश नहीं हो सकी है। छिटपुट बूंदाबांदी के अलावा जिले के अधिकांश क्षेत्रों में अच्छी वर्षा नहीं होने से लोगों को दिनभर उमस और तेज गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि अब मौसम विभाग ने राहत भरी संभावना जताई है। विभाग के अनुसार 27 जुलाई की रात से मानसून दोबारा सक्रिय होगा और 28 से 30 जुलाई के बीच हिसार सहित दक्षिण-पश्चिम हरियाणा में अच्छी बारिश होने के आसार हैं।

अवैध पिस्तौल सहित युवक गिरफ्तार

हिसार। सीआईए टीम ने एक युवक को अवैध पिस्तोल सहित गिरफ्तार किया है। सीआईए प्रभारी पीएसआई कर्ण सिंह ने बताया कि सहायक उप निरीक्षक राममेहर अपनी टीम के साथ बस स्टैंड क्षेत्र में गश्त एवं अपराधियों की धरपकड़ के दौरान मौजूद थे। इसी दौरान मिली सूचना के आधार पर एक युवक को संदेह के आधार पर पकड़ा गया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक अवैध पिस्तोल बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी की पहचान कुलेरी निवासी धोलू राम के रूप में हुई। उसे गिरफ्तार करके उसके खिलाफ शहर थाना में केस दर्ज कर लिया गया है।

चोरी का आरोपी दबोचा 18 टूटियां बरामद

हिसार। अर्बन एस्टेट पुलिस चौकी की टीम ने चोरी के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। चौकी प्रभारी उप निरीक्षक राजेश कुमार ने बताया कि अर्बन एस्टेट निवासी हर्ष गोयल की शिकायत पर चोरी केस दर्ज किया गया था। जांच के दौरान पुलिस टीम ने तकनीकी एवं गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी महाबीर कॉलोनी निवासी अमन उर्फ गणिया को गिरफ्तार किया। आरोपी की निशानदेही पर चोरी की गई 18 स्टील की टूटियां बरामद की गई हैं।

युवक पर डंडों से हमला करने का आरोपी पकड़ा

हांसी। पुरानी रंजिश के चलते हुए मारपीट के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल किया गया डंडा भी बरामद कर लिया है। बास थाना में तैनात मुख्य सिपाही सुरेंद्र ने बताया कि गांव बड़ाला निवासी वीरभान की शिकायत पर थाना बास में मुकदमा दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता के अनुसार, पुरानी रंजिश के कारण उसे फोन कर खेत में बने कोठे पर बुलाया गया। वहां पहले से मौजूद आरोपियों ने उस पर डंडों से हमला कर दिया। हमले में वीरभान गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसके बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। मामले की जांच के चलते थाना बास पुलिस ने गांव बड़ाला निवासी आरोपी जतिन को गिरफ्तार कर लिया।

टी-कनेक्शन मिलने की खुशी में हुआ भव्य सम्मान समारोह

संघर्ष की जीत पर चानौत में 'सम्मान का महाकुंभ'

80 खापों और सर्वदलीय नेताओं के शक्ति प्रदर्शन में उमड़ा जन सैलाब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

गांव चानौत में पेयजल के लिए लंबे समय तक चले आंदोलन के सफल होने और टी-कनेक्शन मिलने की खुशी में रविवार को एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में हरियाणा के विभिन्न जिलों से खाप प्रतिनिधि, किसान संगठन, जनप्रतिनिधि, विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। पूरे गांव की 36 बिरादरी की ओर से कार्यक्रम में पहुंचे सभी अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया। मंच संचालन कर रहे धरना कमेटी के सदस्य एवं पूर्व छात्र नेता कुलबीर दुहन ने कहा कि चानौत गांव की ओर से प्रदेशभर से पहुंचे सभी सम्मानित अतिथियों का स्वागत, अभिनंदन और आभार व्यक्त किया गया। उन्होंने बताया कि समारोह में हरियाणा की करीब 80 खापों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सभी खाप प्रधानों को पगड़ी पहनाकर व साथ आए प्रतिनिधियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

समारोह में प्रदेशभर से लगभग 100 सरपंच भी पहुंचे

समारोह में प्रदेशभर से लगभग 100 सरपंच भी पहुंचे। धरना कमेटी ने सभी सरपंचों को पगड़ी पहनाकर और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इसके अलावा हरियाणा के विभिन्न किसान संगठनों ने भी कार्यक्रम में भागीदारी की। किसान संगठनों के प्रदेश अध्यक्षों को पगड़ी और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया, जबकि उनके साथ आए अन्य साथियों को सम्मान स्वरूप दुपट्टे भेंट किए गए। इस अवसर पर किसान नेता सुरेश कोथ, गुरनाम सिंह चढ़ूनी, विकास सीसर, धोला जेवरा, दशरथ मलिक, जोगेंद्र मैय्यड़, ताई कंडेला वाली, मंजू आजाद और राजू खरड़ सहित सैकड़ों किसान नेता मौजूद रहे। समारोह में संत रामपाल महाराज के स्वरूप का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने भी शिरकत की। प्रमुख रूप से रोहतक सांसद दीपेंद्र हुड्डा, हिसार सांसद जयप्रकाश, सांसद ब्रह्मचारी, कांग्रेस विधायक जस्सी पेटवाड़, विधायक नरेश सेलवाल, पूर्व मंत्री अतर सिंह सैनी, राहुल मक्कड़ सहित कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। भारतीय जनता पार्टी की ओर से व्यापार कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष राजेश ठकराल तथा भाजपा नेता नरेश यादव अपने साथियों सहित समारोह में पहुंचे।

धरना कमेटी ने स्मृति चिह्न देकर किया सम्मानित

जननायक जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला भी जिला अध्यक्ष अमित बूरा एवं पार्टी पदाधिकारियों के साथ कार्यक्रम में शामिल हुए, वहीं सिरसा सांसद कुमारी शैलजा के प्रतिनिधि के रूप में चंद्र हर्ष अपने समर्थकों सहित समारोह में पहुंचे। पूर्व मंत्री प्रो. छत्रपाल सिंह ने भी अपने समर्थकों के साथ कार्यक्रम में भाग लिया, जबकि इंडियन नेशनल लोकदल की ओर से पूर्व मंत्री प्रो. संपत सिंह ने भी उपस्थिति दर्ज कराई। धरना कमेटी ने प्रो. छत्रपाल सिंह को पगड़ी पहनाकर और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। सीपीआई(एम) की ओर से पूर्व विधायक बलवान पूनिया तथा किसान प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष दिनेश अपने साथियों सहित समारोह में पहुंचे। बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा जमालपुरिया भी अपने समर्थकों के साथ कार्यक्रम में शामिल हुए और उन्हें भी पगड़ी एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। गांव के पूर्व सरपंच सत्यवान दुहन ने सभी अतिथियों का धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेशभर के लोगों ने लगातार दो महीने तक चले आंदोलन में सहयोग देकर चानौत गांव को मजबूती प्रदान की।

स्व. नंद किशोर गोयनका की सेवा की विरासत सदैव प्रेरणा देती रहेगी: सैनी

- सीएम, जगद्गुरु कुमार स्वामी, सांसदों, विधायकों, उद्योगपतियों व समाजसेवियों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

समाजसेवा, गौसेवा, शिक्षा और धार्मिक चेतना के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान देने वाले स्वर्गीय नंदकिशोर गोयनका की स्मृति में रविवार को महाराजा अग्रसेन भवन में श्रद्धांजलि आयोजित की गई। बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने पुष्पांजलि अर्पित कर दिवंगत आत्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

श्रद्धांजलि सभा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, कांग्रेस के राज्यसभा सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा, सांसद सतपाल ब्रह्मचारी, हिसार से कांग्रेस सांसद जयप्रकाश, राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा, नलवा विधायक रणधीर पनिहार, नारनौंद विधायक जस्सी पेटवाड़, उकलाना विधायक नरेश सेलवाल, आदमपुर विधायक चंद्रप्रकाश, भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेड़ड़, शहर कांग्रेस अध्यक्ष बजरंग दास गर्ग, जिला परिषद के पूर्व चेयरमैन राजेंद्र सूरा व वरिष्ठ भाजपा नेता रामनिवास राड़ा सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के जनप्रतिनिधि, उद्योगपति, शिक्षाविद, समाजसेवी, व्यापारी और धार्मिक जगत की अनेक प्रतिष्ठित हस्तियां उपस्थित रहीं। अनंतश्री विभूषित जगद्गुरु महाब्रह्मर्षि कुमार स्वामी ने भी विशेष रूप से पहुंचकर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

डॉक्यूमेंट्री ने किया भावुक

कार्यक्रम के दौरान स्वर्गीय नंदकिशोर गोयनका के प्रेरणादायी जीवन पर आधारित एक विशेष डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन किया गया। इसमें उनके संघर्षपूर्ण जीवन, समाजसेवा, गौसेवा, शिक्षा के क्षेत्र में योगदान, अग्रोहा धाम के विकास में निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका तथा विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के लिए किए गए कार्यों को विस्तार से दर्शाया गया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि स्वर्गीय नंदकिशोर गोयनका का संपूर्ण जीवन सेवा, संस्कार और समाज के उत्थान के लिए समर्पित रहा। उन्होंने गौसेवा, धार्मिक जागरण और सामाजिक सरोकारों के माध्यम से जो अमूल्य विरासत समाज को दी है, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बनी रहेगी। अनंतश्री विभूषित जगद्गुरु महाब्रह्मर्षि कुमार स्वामी ने कहा कि ऐसे महापुरुष भले ही शरीर से विदा हो जाते हैं, लेकिन उनके संस्कार, उनके आदर्श और समाज के लिए किया गया समर्पण सदैव जीवित रहता है। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय नंदकिशोर गोयनका का जीवन सेवा, राष्ट्रभावना और मानवीय मूल्यों का उत्कृष्ट उदाहरण है।

अर्बन एस्टेट-2 की सीवरेज व्यवस्था के लिए 7.35 करोड़ रुपये स्वीकृत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

शहर के अर्बन एस्टेट क्षेत्र की वर्षों पुरानी सीवरेज समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण की ओर से 7.35 करोड़ की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। इस परियोजना के अंतर्गत क्षेत्र की पुरानी एवं जर्जर सीवरेज प्रणाली का नवीनीकरण किया जाएगा, जिससे जल निकासी व्यवस्था सुदृढ़ होगी।

पूर्व मंत्री एवं विधायक सावित्री जिंदल ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व हरियाणा सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की भावना के साथ प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र में समान रूप से विकास कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हरियाणा सरकार ने आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने, शहरों के आधुनिकीकरण और जनसुविधाओं के विस्तार को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है, जिसका लाभ हिसार सहित पूरे प्रदेश को मिल रहा है।

हिसार मेरा घर, यहां के लोग परिवार के सदस्यः सावित्री

सावित्री जिंदल ने कहा कि हिसार केवल मेरी कर्मभूमि ही नहीं, बल्कि मेरा अपना घर है। हिसार का प्रत्येक नागरिक मेरे परिवार का सदस्य है। उनकी उनकी समस्याएं और उनकी अपेक्षाएं मेरी अपनी जिम्मेदारी हैं। मैं सदैव हिसार के विकास और सेवा के लिए तत्पर हूं तथा करती रहूंगी। उन्होंने कहा कि अर्बन एस्टेट-2 के निवासी लंबे समय से सीवरेज संबंधी समस्याओं का सामना कर रहे थे। अब इस परियोजना के पूरा होने से जलभराव, गंदे पानी की निकासी और सीवरेज से जुड़ी परेशानियों का स्थायी समाधान होगा, जिससे क्षेत्र के हजारों परिवारों को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में भी सरकार के सहयोग से हिसार में सड़क, सीवरेज, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य आधारभूत सुविधाओं से जुड़े विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ेंगे।

विधायक सावित्री जिंदल को सौंपा मांगों का ज्ञापन

आरडब्ल्यूए ने उठाई सेक्टर 33, 14 और 14 पार्ट-2 की समस्याएं, जल्द समाधान की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

सेक्टर 33, सेक्टर 14 और सेक्टर 14 पार्ट-2 के निवासियों के प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को विधायक सावित्री जिंदल को ज्ञापन सौंपकर क्षेत्र में जलघर, पावर हाउस, मोबाइल नेटवर्क, एंट्री गेट और संपर्क सड़क सहित विभिन्न मूलभूत सुविधाओं के विकास की मांग की।

सेक्टर 33 आरडब्ल्यूए के पूर्व प्रधान राजपाल नैन ने बताया कि क्षेत्र की बढ़ती आबादी और लगातार हो रहे निर्माण कार्यों के कारण पेयजल और बिजली व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है। इससे लो वोल्टेज, बार-बार बिजली कटौती और कम पानी के दबाव जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

विधायक को क्षेत्र की समस्याओं संबंधी ज्ञापन सौंपते सेक्टर 33, 14 व 14 पार्ट-2 के निवासी।

विद्युत उपकेंद्र का निर्माण शीघ्र शुरू करने की मांग

ज्ञापन में सेक्टर 14 पार्ट-2 के पास एसटीपी के सामने आरक्षित 21.51 एकड़ भूमि पर नए जलघर के निर्माण तथा उसमें बालसमंद नहर से पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की गई। साथ ही सेक्टर 33 में आरक्षित 2.16 एकड़ भूमि पर 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र (पावर हाउस) का निर्माण शीघ्र शुरू करने की मांग भी उठाई गई।

कहा- जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर करवाया जाए

इसके अलावा सेक्टर में मोबाइल नेटवर्क की समस्या का समाधान, सिरसा रोड पर एंट्री गेट तथा संपर्क सड़क का निर्माण जल्द करवाने की मांग भी विधायक के समक्ष रखी गई। प्रतिनिधिमंडल ने जनहित से जुड़े इन कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृति दिलाकर जल्द शुरू करवाने का आग्रह किया। इस अवसर पर राजपाल नैन, साधु राम भ्याण, नरेश गोयल, बलदेव बागला, दलबीर खत्री, महेश भाटिया, ज्ञान चंद मोंगा, केडी भाटिया, कुलवंत जांगड़ा, महावीर बाणा, मनोज कुंदू, टीनू जैन, बंसी लाल भाटिया, मोहिंदर श्योकंद, संतोष जाखड़ सहित अन्य सेक्टरवासी मौजूद रहे।

महिला से अभद्र व्यवहार, मारपीट और धमकी देने के मामले में एक गिरफ्तार

हांसी। पीएलए पुलिस चौकी की टीम ने महिला के साथ अभद्र व्यवहार, मारपीट तथा अवैध हथियार से जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक हिस्ट्रीशीटर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस चौकी प्रभारी एएसआई अनूप ने बताया कि इस संबंध में पटेल नगर निवासी एक व्यक्ति ने शिकायत दी थी। शिकायत के अनुसार देर रात उसकी ताई के साथ एक व्यक्ति गाली-गलौज कर रहा था। जब शिकायतकर्ता ने इसका विरोध किया तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट की। इसके बाद आरोपी ने अपने बेटे तथा उसके एक साथी को मौके पर बुला लिया। शिकायत के अनुसार एक युवक ने पिस्तोल निकालकर शिकायतकर्ता को डराया-धमकाया तथा जान से मारने की धमकी दी। हाथापाई के दौरान पिस्तोल की मैगजीन नीचे गिर गई, जिसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। शिकायत के आधार पर पुलिस ने तत्काल केस दर्ज करके मामले की जांच शुरू की।

पुलिस कर रही पूछताछ

जांच के दौरान पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी पटेल नगर निवासी आर्यन को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से एक पिस्तौल की मैगजीन व चार जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। आरोपी को अदालत में पेश कर तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। रिमांड अवधि के दौरान आरोपी से घटना में प्रयुक्त हथियार, अन्य आरोपियों की संलिप्तता तथा मामले से जुड़े अन्य तथ्यों के संबंध में गहन पूछताछ की जाएगी। प्रभारी चौकी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध

आरोपी पर दर्ज हैं हत्या प्रयास, मारपीट, आर्म्स एक्ट सहित कई गंभीर धाराओं के 10 केस

पूर्व में भी हत्या के प्रयास, मारपीट, आर्म्स एक्ट सहित विभिन्न गंभीर धाराओं के लगभग 10 आपराधिक मामले दर्ज हैं तथा वह हिस्ट्रीशीटर है।

हादसे में 11 वर्षीय बालक की मौत के मामले में ट्रैक्टर चालक गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

पुलिस ने 11 वर्षीय बालक की सड़क दुर्घटना में मौत के मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी ट्रैक्टर चालक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटा आरोपी की पहचान की और उसे हिरासत में लिया है। अनाज मंडी पुलिस चौकी में तैनात एसआई रमेश कुमार ने बताया कि 21 जुलाई को हाउसिंग बोर्ड कालोनी के रमेश ने इस बारे शिकायत दर्ज करवाई थी।

साइकिल पर दुकान से सामान लेने गया था विनय

रमेश कुमार ने बताया कि उनका 11 वर्षीय पुत्र विनय कुमार साइकिल पर कुंदनापुर रोड स्थित एक दुकान से सामान लेने गया था। कुछ समय बाद उन्हें सूचना मिली कि उनके पुत्र की साइकिल को ट्रैक्टर चालक ने टक्कर मार दी है। सूचना मिलते ही हम मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आसपास के लोग घायल विनय को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल पहुंचा चुके थे। अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद बालक को मृत घोषित कर दिया। शिकायतकर्ता रमेश ने शिकायत में आरोप लगाया था कि ट्रैक्टर चालक तेज गति और लापरवाही से वाहन चला रहा था। इसी दौरान उसने विनय कुमार की साइकिल को टक्कर मार दी, जिससे बालक गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी मौत हो गई। शिकायत पर केस दर्ज करके पुलिस ने जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया, प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ की और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर ट्रैक्टर चालक की पहचान कुंदनापुर निवासी बजरंग के रूप में हुई है। उप निरीक्षक रमेश कुमार ने बताया कि पुलिस टीम ने आरोपी बजरंग को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है।

सभा प्रदेशभर के बिश्नोई समाज के पदाधिकारी हुए एक मंच पर एकत्र, भव्य जन्माष्टमी महोत्सव के लिए दिए सुझाव

गुरु जंभेश्वर महाराज के जन्मोत्सव की तैयारी शुरू, मुख्य अतिथि पर अंतिम निर्णय लेने के लिए कुलदीप बिश्नोई को किया अधिकृत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

श्री गुरु जंभेश्वर महाराज के 576वें जन्मोत्सव एवं जन्माष्टमी महोत्सव को ऐतिहासिक, भव्य और यादगार बनाने के उद्देश्य से रविवार को शहर के श्री गुरु जंभेश्वर मंदिर में बिश्नोई सभा, हिसार की आमसभा हुई। आम सभा की अध्यक्षता बिश्नोई सभा के प्रधान जगदीशचंद्र कड़वासरा ने की जबकि सचिव रमेश खीचड़ ने संचालन किया। बैठक में हिसार ही नहीं, बल्कि हरियाणा के विभिन्न जिलों से बिश्नोई समाज के प्रधान, पदाधिकारी, समाजसेवी और गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए।

अहम जिम्मेदारी सौंपी

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि बिश्नोई रत्न चौधरी कुलदीप बिश्नोई को जन्माष्टमी महोत्सव के मुख्य अतिथि के संबंध में अंतिम निर्णय लेने के लिए अधिकृत किया जाए। इस प्रस्ताव का उपस्थित सदस्यों ने समर्थन करते हुए समाज की एकजुटता का परिचय दिया।

4 सितंबर की तैयारियों को अंतिम रूप देना था बैठक का मुख्य उद्देश्य

बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी चार सितंबर को आयोजित होने वाले जन्माष्टमी महोत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप देना तथा आयोजन को अधिक प्रभावी और जनभागीदारी वाला बनाना था। समाज के प्रतिनिधियों ने कार्यक्रम की रूपरेखा, व्यवस्थाओं और धार्मिक आयोजनों को लेकर विस्तृत सुझाव दिए, जिन पर गंभीरता से विचार-विमर्श किया गया। आमसभा की शुरुआत समाज के हाल ही में दिवंगत हुए सदस्यों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई। इसके बाद बिश्नोई सभा के कोषाध्यक्ष कृष्ण पूनिया ने अप्रैल 2025 से मार्च 2026 तक का आय-व्यय विवरण प्रस्तुत किया, जिसे सदस्यों ने सर्वसम्मति से अनुमोदित किया।

समाज की एकता व परंपराओं का महापर्व है कार्यक्रम

आमसभा में अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुभाष देहड़ू, आदमपुर बिश्नोई सभा के अध्यक्ष राजाराम खीचड़, कुरुक्षेत्र से अशोक मांजू, पंचकूला बिश्नोई सभा के अध्यक्ष लीलूराम गोदारा, सिवानी के अध्यक्ष विजय सिंह देहड़, फतेहाबाद के अध्यक्ष संजय खीचड़, टोहाना के अध्यक्ष बलदेव लोहमरोड़, रतिया के अध्यक्ष रामस्वरूप बेनीवाल, अखिल भारतीय गुरु जंभेश्वर कर्मचारी कल्याण समिति के अध्यक्ष निहाल सिंह गोदारा, बिश्नोई सभा सिरसा के प्रचार सचिव मनीराम सारण, पूर्व प्रधान सहदेव कालीराणा, उपप्रधान आत्माराम जाजूदा एवं नरसिंह ज्याणी, सचिव रमेश खीचड़, सहसचिव संजय कुमार सिहाग, कोषाध्यक्ष कृष्ण पूनिया, कार्यकारिणी सदस्य राजेंद्र कुमार धायल, प्रेम कुमार खीचड़, सुनील गोदारा, अविनय खीचड़, अखिल भारतीय युवा संगठन हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष नरश्रोतम मेजर, पूर्व सरपंच संजय लांबा, राजीव पुनिया, सेवक दल शाखा फतेहाबाद के अध्यक्ष सुरजीत सिंह ढुकिया, हिसार शाखा के अध्यक्ष संदीप कुमार गोदारा सहित प्रदेशभर से आए अनेक पदाधिकारी एवं समाज के वरिष्ठ सदस्य मौजूद रहे। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि भगवान श्री गुरु जंभेश्वर महाराज के सिद्धांत आज भी पर्यावरण संरक्षण, जीव दया, सामाजिक समरसता और मानवीय मूल्यों के लिए पूरे विश्व में प्रासंगिक हैं। जन्मोत्सव केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज की एकता, संस्कृति और परंपराओं का महापर्व है।

सायरन के दुरुपयोग और सीट बेल्ट नहीं लगाने पर 11 हजार का चालान

- यातायात नियमों की अवहेलना करने वालों के विरुद्ध पुलिस ने की सख्त कार्रवाई

हिसार। जिले में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत ट्रैफिक पुलिस बरवाला में तैनात सब इंस्पेक्टर जयबीर सिंह ने कार्रवाई करते हुए उत्तर प्रदेश नंबर की एक स्कॉर्पियो गाड़ी पर अनधिकृत रूप से सायरन लगाने तथा चालक द्वारा सीट बेल्ट का प्रयोग नहीं करने पर 11 हजार का चालान किया। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने कहा कि सड़क पर कानून सभी के लिए समान है। कोई भी व्यक्ति अपने वाहन पर बिना वैधानिक अनुमति के सायरन, फ्लैशर या अन्य विशेष उपकरण लगाकर आम नागरिकों पर रौब नहीं जमा सकता। ऐसे मामलों में पुलिस द्वारा बिना किसी भेदभाव के नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सीट बेल्ट केवल कानूनी औपचारिकता नहीं बल्कि चालक और यात्रियों के जीवन की सुरक्षा का सबसे प्रभावी माध्यम है। सीट बेल्ट का प्रयोग न करने से दुर्घटना के समय गंभीर चोट या जान जाने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इसलिए प्रत्येक वाहन चालक और आगे की सीट पर बैठे यात्री के लिए सीट बेल्ट लगाना अनिवार्य है। एसपी स्पष्ट किया कि अनधिकृत सायरन, हूटर, ब्लैक फिल्म, बिना नंबर प्लेट, गलत पार्किंग, नशे की हालत में वाहन चलाना, ओवरस्पीड, ट्रिपल राइडिंग तथा अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध भविष्य में भी इसी प्रकार कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

व्यस्त आदमी को अपना काम करने में जितनी अक्ल की जरूरत पड़ती है, उससे ज्यादा अक्ल बेकार आदमी को समय काटने में लगती है।

- हरिशंकर परसाई

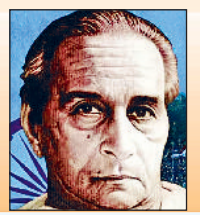

कहानी

डॉ. मधुकांत

डरा-सहमा बाप

भूशरण उसे देखकर कांप उठा, पर कुछ बोल न सका। वह बस दीवार की ओर मुँह करके सो जाने का नाटक करने लगा। उसे अपने ही घर में अपने ही बेटे से डर लगने लगा था।

दोपहर का समय था। बाजार की गहमागहमी के बीच भूशरण अपनी कपड़े की छोटी सी दुकान में लकड़ी के पुराने काउंटर के पीछे बैठा था। पंखा अपनी पूरी रफ्तार से चल रहा था, लेकिन उसके माथे पर पसीने की बूंदें साफ चमक रही थीं। उसकी नजरें सामने की सड़क पर थीं, पर मन कहीं दूर अतीत की गलियों और भविष्य की चिंताओं में भटका हुआ था। तभी उसका पुराना मित्र रामेश्वर दुकान में दाखिल हुआ। उसने देखा कि भूशरण ने उसे आते हुए भी नहीं देखा।

रामेश्वर ने कंधे पर हाथ रखा, 'क्यों भूशरण भाई! आज किस दुनिया में खोए हो? ग्राहक खड़ा हो जाए तो शायद तुम्हें पता भी न चले।' भूशरण ने हड़बड़ा कर लंबी सांस ली, 'आओ रामेश्वर, बस यूँ ही... घर-गृहस्थी की बातें हैं।' रामेश्वर पास पड़े स्टूल पर बैठ गया और बोला, 'देखो भाई, चेहरा मन का दर्पण होता है। तुम्हारी आँखों की ये गहरी झुर्रियां बता रही हैं कि मामला मामूली नहीं है। सुना है दुख बांटने से हल्का होता है, शायद कोई समाधान ही निकल आए।' भूशरण का गला भर आया। उसने डबडबाई आँखों से कहा, 'रामेश्वर, समाज में हम 'लड़का-लड़का' कहकर छाती चौड़ी करते हैं, पर जब वही लड़का बड़ा होकर बाप को आँखें दिखाने लगे, तो कलेजा फट जाता है। बेटी राखी का विवाह किया तो लगा कंधों का बोझ उतर गया, पर यह धीरेंद्र... इसने तो नाक में दम कर रखा है। न पढ़ाई में मन लगाता है, न दुकान पर बैठता है। आवारागर्दी और बदतमीजी इसकी पहचान बन गई है।' रामेश्वर ने सहानुभूति से कहा, 'आजकल की हवा ही खराब है भूषण। पर तू एक काम कर, तू उसका बाप है, पर वो शायद तेरी बात न माने। तू चुपचाप उसके स्कूल जा और मास्टर जी से मिल। शिक्षक का भय और सम्मान आज भी बच्चों के मन में होता है।' अगले दिन भूशरण भारी मन से धीरेंद्र के स्कूल पहुँचा। गलियारे में चलते हुए उसे डर लग रहा था कि कहीं धीरेंद्र उसे देख न ले। वह प्रधानाध्यापक के कमरे में पहुँचा। मास्टर जी ने चश्मा ठीक करते हुए पूछा, 'जी, आप कौन? क्या काम है?' 'जी, मैं धीरेंद्र का पिता हूँ,' भूशरण ने हाथ जोड़कर कहा। मास्टर जी के तेवर बदल गए, 'अच्छा, तो आप हैं उसके पिता! धीरेंद्र तो एकदम नालायक है। कक्षा में पीछे बैठकर शोर मचाता है, दूसरों को पढ़ने नहीं देता और सुना है कि स्कूल के बाहर गलत लड़कों के साथ उठता-बैठता है। आप उसे घर पर कुछ कहते नहीं?'

भूशरण की आँखें झुक गईं। 'मास्टर जी, इसीलिए आपके पास आया हूँ। आप उसे समझाइए, थोड़ा डराइए। शायद आपकी बात मानकर वह सुधर जाए और सही रास्ते पर आ जाए।' फिर स्वर धीमा करते हुए उसने कहा, 'पर मास्टर जी, मेरा एक निवेदन है... उसे यह मत बताइएगा कि मैं शिकायत लेकर आया था।' मास्टर जी हैरान रह गए, 'क्यों भाई? आप उसके पिता हैं या कोई अजनबी? इतना डर क्यों? आजकल सरकार ने हमारे हाथ बांध रखे हैं कि हम बच्चों पर हाथ नहीं उठा सकते, पर आप तो उसे डांट सकते हैं।' भूशरण ने लाचारी से सिर हिलाया, 'मास्टर जी, आप नहीं समझेंगे। आजकल एक ही बेटा है। डर लगता है कि कहीं ज्यादा टोकने पर घर छोड़कर न भाग जाए या कुछ कर न बैठे। बस आप अपने स्तर पर देख लीजिए।' यह कहकर भूशरण एक अपराधी की तरह चुपचाप स्कूल से बाहर निकल आया। उसे नहीं पता था कि यह 'गोपनीयता' ज्यादा देर नहीं टिकेगी। दोपहर को जब धीरेंद्र स्कूल से लौटा, उसका चेहरा गुस्से से तमतमाया हुआ था। उसके दोस्तों ने उसे बता दिया था कि उसका 'बुड्ढा' बाप स्कूल में उसकी मुखबिरी करने आया था। घर में घुसते ही उसने जोर से बस्ता पटका। 'बापू! आपकी हिम्मत कैसे हुई स्कूल जाकर मेरी बुराई करने की?' धीरेंद्र चीखा। भूशरण के हाथ कांपने लगे, 'बेटा, मैं तो बस तुम्हारी भलाई के लिए...' 'चुप रहिए! आपने मुझे सबके सामने जलील किया है। अब देखिए मैं क्या करता हूँ!' धीरेंद्र चिल्लाता हुआ अपने कमरे में गया और दरवाजा अंदर से जोर से बंद कर लिया। शाम ढल गई। घर में चूल्हा नहीं जला। माँ रमी बार-बार दरवाजे पर दस्तक दे रही थी, 'धीरेंद्र बेटा, कुंडी खोल। देख माँ ने तेरे लिए परांठे बनाए हैं। बाहर आ जा बेटा!' अंदर से कोई आवाज नहीं आई। रमी रोने लगी और भूशरण को कोसने लगी, 'क्यों गए थे स्कूल? देख लीजिए, अगर मेरे बेटे ने कुछ कर लिया तो मैं जान दे दूंगी।' भूशरण जो खुद डरा हुआ था, अब गिड़गिड़ाने लगा, 'बेटा धीरेंद्र, दरवाजा खोल दे। मैं कान पकड़ता हूँ, अब कभी स्कूल नहीं जाऊंगा। जो तू कहेगा वही होगा। बस बाहर आ जा।' घंटों के मिन्नतों के बाद धीरेंद्र ने दरवाजा खोला।

> धीरेंद्र चिल्लाता हुआ अपने कमरे में गया और दरवाजा अंदर से जोर से बंद कर लिया। शाम ढल गई। घर में चूल्हा नहीं जला। माँ रमी बार-बार दरवाजे पर दस्तक दे रही थी, 'धीरेंद्र बेटा, कुंडी खोल। देख माँ ने तेरे लिए परांठे बनाए हैं। बाहर आ जा बेटा!' अंदर से कोई आवाज नहीं आई।

उसके चेहरे पर जीत की कुटिल मुस्कान थी। उसने जान लिया था कि उसके माता-पिता उसके 'गुस्से' के गुलाम हैं। समय बीतता गया, पर धीरेंद्र की आदतें नहीं बदलीं। दसवीं कक्षा में पहुँचते ही उसने नई मांग रख दी-मोटरसाइकिल।' बाबूजी, मुझे स्कूल जाने के लिए बाइक चाहिए। मेरे सभी दोस्तों के पास है,' उसने आदेशात्मक लहजे में कहा। भूशरण ने समझाने की कोशिश की, 'बेटा, अभी दुकान की हालत ठीक नहीं है। थोड़ा रुक जा, ग्यारहवीं में दिला दूंगा। 'धीरेंद्र का पारा चढ़ गया, 'हमेशा का यही रोना है! आपके पास मेरे लिए पैसे नहीं होते। ठीक है, अब मैं घर तभी आऊंगा जब बाइक आएगी।' वह गुस्से में घर से निकल गया। रात के दस बजे, फिर ग्यारह... धीरेंद्र नहीं लौटा। रमी का रो-रोकर बुरा हाल था। मोहल्ले के लोग इकट्ठा हो गए। भूशरण पागलों की तरह गलियों में उसे ढूंढ रहा था। रिश्तेदारों ने धीरेंद्र को ढूंढने के बजाय भूशरण को ही उपदेश देना शुरू कर दिया, 'भाई साहब, जमाना बदल गया है। बच्चों को प्यार से रखना पड़ता है। उसकी जिद पूरी कर देते तो क्या बिगड़ जाता?' अगली सुबह धीरेंद्र एक पार्क में बेंच पर सोता हुआ मिला। जब वह घर आया, तो भूशरण ने उसे गले लगाने के बजाय उसके सामने आत्मसमर्पण कर दिया। 'बेटा, तू घर आ गया, यही बहुत है। मैं कल ही उधार लेकर तुझे बाइक दिला दूंगा।' उस दिन भूशरण ने अपनी मेहनत की कमाई और स्वाभिमान, दोनों को उस लोहे की मशीन के बदले बेच दिया। बाइक आने के बाद धीरेंद्र के पंख और निकल आए। अब वह रात-रात भर बाहर रहने लगा। उसकी आँखों के नीचे काले घेरे और चाल में लड़खड़ाते कदम बता रहे थे कि वह नशे के दलदल में धंस चुका है। एक रात जब वह घर आया, तो सीधे भूशरण के सामने जाकर खड़ा हो गया। मुँह से शराब की बदबू आ रही थी। भूशरण उसे देखकर कांप उठा, पर कुछ बोल न सका। वह बस दीवार की ओर मुँह करके सो जाने का नाटक करने लगा। उसे अपने ही घर में अपने ही बेटे से डर लगने लगा था। रमी ने एक दिन सुझाव दिया, 'सुनो, इसकी शादी कर देते हैं। सिर पर जिम्मेदारी आएगी तो शायद सुधर जाए।' भूशरण ने ठंडी सांस भरी, 'रमी, हम अपनी बला किसी और के गले डालने जा रहे हैं। उस बेचारी लड़की का क्या दोष जिसे हम इस नर्क में झोंकेंगे?' पर ममता और उम्मीद के आगे तर्क हार गए। एक गरीब परिवार की सुशील लड़की 'शैला' से धीरेंद्र का विवाह कर दिया गया। शुरुआत में लगा कि शायद चमत्कार हो गया है। धीरेंद्र घर पर रहने लगा। पर यह शांति तूफान से पहले की खामोशी थी। जल्द ही उसने शैला को पीटना शुरू कर दिया ताकि वह अपनी माँ के गहने या मायके से पैसे लाकर उसे दे। भूशरण अपनी बहू की चीखें सुनता, पर वह इतना 'डरा-सहमा' था कि बीच-बचाव करने की हिम्मत नहीं जुटा पाता था। साल गुजरते गए। रमी का देहांत हो गया। भूशरण अब बिस्तर पकड़ चुका था। घर में अब एक नया सदस्य था—पोता 'अधीर'। अधीर जब बड़ा हुआ, तो उसने घर में क्या देखा? एक शराबी पिता जो माँ को मारता है और एक लाचार दादा जो बस कोने में पड़ा रहता है।

अधीर ने वही सीखा जो उसने देखा। वह भी नशे की दुनिया में चला गया। एक शाम का दृश्य बड़ा भयानक था। धीरेंद्र नशे में धुत्त होकर घर आया। उसने रसोई में जाकर शैला को खाने के लिए गाली दी और हाथ उठाया।' आज तुझे मार ही डालूंगा, रोज का किच-किच खत्म!' धीरेंद्र ने जैसे ही हाथ हवा में लहराया, एक मजबूत हाथ ने उसकी कलाई को बीच में ही दबोच लिया। वह अधीर था। उसकी आँखों में वही खून सवार था जो कभी धीरेंद्र की आँखों में अपने पिता के प्रति होता था। अधीर ने धीरेंद्र की कलाई इतनी जोर से मरोड़ी कि वह घुटनों के बल बैठ गया।' खबरदार! अगर आज के बाद माँ पर हाथ उठाया तो यह हाथ सलामत नहीं रहेगा,' अधीर की आवाज में ऐसी दरिंदगी थी कि धीरेंद्र का नशा हिरन हो गया। वह कांपने लगा। उसने आज पहली बार वह डर महसूस किया जो उसका पिता भूशरण सालों से महसूस कर रहा था। बैठक के कोने में बैठा बूढ़ा भूशरण यह सब देख रहा था। उसकी धुंधली आँखों से आंसू बह निकले। उसने देखा कि समय ने खुद को दोहराया है। धीरेंद्र ने जो बोया था, आज वही फसल काट रहा था। भूशरण ने एक लंबी और ठंडी सांस ली और बुदबुदाया, 'परमात्मा! यह चक्र कब रुकेगा? काश मैंने शुरू में ही इसे सही रास्ता दिखाया होता, काश मैं इतना डरा हुआ बाप न होता।' बाहर अंधेरा गहरा रहा था और घर के अंदर 'जैसी करनी वैसी भरनी' का सत्य साक्षात खड़ा था।

पुस्तक समीक्षा

मन की अनवरत यात्रा का काव्य-संसार

समीक्षक

नृपेन्द्र अभिषेक 'नृप'

कविता वह विधा है जो मनुष्य के अंतर्मन की अनकही अनुभूतियों को शब्दों का स्पर्श देती है। जब कोई कवि जीवन के सामान्य अनुभवों में छिपे असाधारण भावों को सहज भाषा में अभिव्यक्त करता है, तब उसकी रचनाएँ सीधे पाठक के हृदय तक पहुँच जाती हैं। रविकांत राऊत एक ऐसे कवि हैं, जिनकी लेखनी जीवन के साधारण अनुभवों में भी असाधारण संवेदनाओं का स्पर्श खोज लेती है।

उनका कविता-संग्रह 'देह रुकी, मन बह चला' इसी संवेदनशील दृष्टि और सृजनात्मक परिपक्वता का सुंदर उदाहरण है। यह संग्रह केवल कविताओं का संकलन नहीं, बल्कि मनुष्य के अंतर्मन की यात्रा का जीवंत दस्तावेज है। इस संग्रह में कुल 46 कविताएँ संकलित हैं। स्पर्श से पहले, ख्वाबों का मिलन, डर लगता है, पतझड़, स्त्री के मन की राहें, अनाम ख़त, सत्य के अँधेरे में खिलते गुलाब, समय का सच, आत्मज्ञान, बोधिवृक्ष, रौशनी और कुछ तो बात रही होगी जैसी रचनाएँ जीवन के विविध रंगों को बड़ी आत्मीयता से सामने लाती हैं। हर कविता अपने भीतर एक अलग भावलोक रचती है और पाठक को कुछ देर ठहरकर स्वयं से संवाद करने के लिए प्रेरित करती है। इस संग्रह की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सरल, सहज और प्रवाहपूर्ण भाषा है। कवि ने कहीं भी अनावश्यक शब्दाडंबर या कठिन प्रतीकों का सहारा नहीं लिया। यही कारण है कि साहित्य के नए पाठक भी इन कविताओं को बिना किसी कठिनाई के पढ़ और समझ सकते हैं। संग्रह की एक और उल्लेखनीय विशेषता यह है कि प्रत्येक कविता आकार में अपेक्षाकृत छोटी होते हुए भी अपने भीतर गहरे अर्थ समेटे हुए है। कवि कम शब्दों में अधिक कहने की कला जानते हैं। यही कारण है कि इन कविताओं को पढ़ते समय ऐसा लगता है मानो वे किसी और की नहीं, हमारे अपने जीवन की ही कहानी कह रही हों।

वास्तव में रविकांत राऊत का यह संग्रह संवेदनाओं, आत्मीयता और जीवन-दर्शन का सुंदर संगम है। इसकी सरलता ही इसकी सबसे बड़ी शक्ति है। यह पुस्तक पाठक के मन में लंबे समय तक अपनी छाप छोड़ती है और यह विश्वास जगाती है कि देह चाहे थम जाए, पर मन की यात्रा कभी नहीं रुकती।

कवि कॉर्नर

कविता

प्रो. ज्योति राज

तीन तिगाड़ा...

नहीं होती कायरों की कोई आवाज
न ही होते हैं उड़ने को कोई परवाज

बस रेंगते हैं जमीन पर मुँह ऊपर को उठा
कुढ़ते हैं उड़ते हुए बादल को देख
दिल पर लगा बैठते हैं दूसरों की दिलदारी

नहीं होती झूठों की कोई जमीन
न ही होते हैं उनकी झूठ के कोई पाँव

बस शर्मसार करते हैं सच को बारम्बार
उढ़ाते हैं सत्य को मिथ्यावादिता के आवरण
परोस कर लाते हैं बकबका मीठा सा बना कर

नहीं होती जिह्वाखोरों की कोई लगाम
न ही होते हैं कोई नियम क़ानून क़ायदे

बस फिसल जाती है जीभ मक्खनी मलाई सी
चटखारे लेने की जद में भूल जाते हैं तहज़ीब सारी
मुँह खोल बैहूदगी से चबाते हैं लाफ़्ज़ों की तरकारी

नहीं होती हजम इन तीनों से वफ़ादारी की खुराक
न ही होते हैं ये तंदुरुस्त खाकर भरोसे की बूटी
ये तिगड़ी नहीं ला पाती कोई बड़ा जलजला

इनका प्रभाव सीमित समय के लिए ज़रूर होता है
यही क्षणिक पोषण इन्हें ज़िंदा बनाए रखता है

कविता

डॉ. कमलेश मलिक

दरवाज़े पर ईगो की दस्तक

व्यंग्य

आसिम अनमोल

शर्मा दरवाजे पर लड़के को कार्ड थमा कर चला गया। क्या मुझे नहीं दे सकता था? मैं खा तो नहीं जाता उसे। हां, थोड़ा बहुत अपनी ईगो का ख्याल रखते हुए उसे घूर कर अपना हाईप्रोफाइल दरवाजा जरूर बन्द कर लेता और इससे ज्यादा क्या करता?

मैं ईगो हूं। मुझसे भली भांति सब परिचित हैं ही। मैं जिधर से गुज़रता हूं। लोगों की दृष्टि झुककर सलाम करने के लिए व्याकुल हो जाती है। लोग रोटी कम खाते हैं। भय ज्यादा खाते हैं मुझसे। समाज के घिसे-पिटे नियम क़ायदों से मेरा कोई लेना-देना नहीं होता। यह सब आम जनमानस के लिए बने हैं। मुझे नैतिक शास्त्र से कोई मतलब नहीं।

मैं दबाव शास्त्र में विश्वास करता हूं। मेरी जिधर से राह गुज़र होती है। वो रास्ते कर्फ्यू में तब्दील हो जाते हैं। ईगो का अपना सोचना है कि हम जितने सरल मानसिकता के होंगे, समाज उतना ही मुझे निगलने का प्रयास करेगा। इसलिए हम कठोर बने रहने की अहम भूमिका निभाने में जी-जान से लगे रहते हैं। कोई हमें कोसे या मुझ पर लाख़ टिप्पणी करता रहे। मुझ पर कोई सामाजिक या आसामाजिक असर नहीं पड़ता। बल्कि मेरे ईगो में सकारात्मक इज़ाफ़ा होता है। ईगो का अपने परिचितों के यहां आना-जाना भी ईगो की अपनी मर्जी पर निर्भर करता है। एक रोज़ ईगो का अपने ख़ास परिचित के यहां जाना हुआ। ईगो दरवाज़े पर पहुंचकर बोला, दरवाज़ा खोलो मैं ईगो हूं। अरे, आप मेरे द्वार पर? विश्वास ही नहीं हो रहा। आइए आइए। परिचित ने आश्चर्य से दरवाजा खोलते हुए कहा। मूड तो नहीं हो रहा था, बस यूं ही चला आया। ईगो ने अपनी ईगो दिखाते हुए कहा। चलिए आप आ ही गये ये मेरे लिए सौभाग्य की बात है। चाय बनवाता हूं आपके लिए, परिचित ने चाय ऑफर की। जैसे महंगाई आसमान छू रही है,वैसे ही ईगो का रेट बढ़ाते हुए कहा। नहीं, मैं चाय-वाय नहीं लेता। शुगर का ख्याल रखता हूं। बादाम-पिश्ते की दुद्धी पीकर आ रहा हूं। फल वगैरा भी जस्ट अभी खाए हैं। तुम्हारी चाय डियू रही, भविष्य में जरूर पीएंगे। कुर्सी पर बैठे हुए ईगो ने टांग पर टांग रखते हुए और सिगरेट को लाइटर से जलाते हुए अपनी ईगो में और चार चांद लगाये। आप शर्मा जी की बेटी की शादी के रिसेप्शन पर तो जाएंगे न ? पड़ोसी होने के नाते मैंने यूं ही पूछ लिया। पहली बात मेरे पास टाइम का झंझट बहुत है। दूसरी बात, शर्मा दरवाजे पर लड़के को कार्ड थमा कर चला गया। क्या मुझे नहीं दे सकता था? मैं खा तो नहीं जाता उसे। हां, थोड़ा बहुत अपनी ईगो का ख्याल रखते हुए उसे घूर कर अपना हाईप्रोफाइल दरवाजा जरूर बन्द कर लेता और इससे ज्यादा क्या करता। ईगो ने अपने सम्मान के विपरीत न जाने की अपनी जन्मजात बीमारी का खुलासा किया। परिचित ने पूछा, यह बताइए कि आप इतना कम क्यों बोलते हैं? समाज अक्सर यदा-कदा आपके बारे में टिप्पणी करता रहता है। मैंने सहानुभूति जताते हुए ईगो से जुड़ने की कोशिश की। समाज को क्या पता मेरी मार्केट वैल्यू क्या है? किसी की तो है नहीं इसलिए किसी को अपनी परवाह क्यों हो भला। मुझे अपनी ईगो की टीआरपी बढ़ानी होती है। इसलिए इसमें खामोशी अख्तियार करना, गलतियां और सम्बन्ध बिगाड़ने जैसे बड़े-बड़े योगदान देने पड़ते हैं। इन सबमें कितनी मेहनत और कौशल छिपा होता है, ये गैर ईगो समाज क्या जाने। ईगो ने अपनी उच्च कोटि की गुणवत्ता का बखान करते हुए बड़े ही खूबसूरती से प्रकाश डाला। लेकिन सुनने में ये भी आता है कि आप भावनात्मक पहलू पर बिल्कुल ध्यान नहीं देते? परिचित ने फिर कुरेदा। मेरी ईगो इतनी लचीली और कमजोर नहीं है, जो भावनाओं का शिकार होती फिरे। ईगो तो ईगो होती है। बिल्कुल सरकार की मानिद जैसा मन होता है वैसा करती है। उसका मुकाबला कोई नहीं कर सकता। यहां तक कि कई बार ऐसा होता आया है कि पति-पत्नी के टूटते रिश्तों में भी ईगो ने अपनी महति भूमिका निभाई है।

कुछ हटकर

यूएक्स डिजाइन : युवाओं में शानदार करियर विकल्प

सेंट्रल डेस्क

करियर

डिजिटल युग में लगभग हर काम मोबाइल एप और वेबसाइट के माध्यम से होने लगा है। चाहे ऑनलाइन खरीदारी हो, बैंकिंग, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं या सरकारी योजनाएं, हर जगह उपयोगकर्ताओं को आसान और बेहतर अनुभव देने पर जोर दिया जा रहा है। यही कारण है कि यूएक्स (यूजर एक्सपीरियंस) डिजाइन आज सबसे तेजी से उभरते करियर विकल्पों में शामिल हो गया है। इस क्षेत्र में ऐसे पेशेवरों की मांग बढ़ रही है, जो डिजिटल उत्पादों को उपयोगकर्ता के लिए सरल, सुविधाजनक और प्रभावी बना सकें। यूएक्स का पूरा नाम यूजर एक्सपीरियंस है।

इसका अर्थ है किसी वेबसाइट, मोबाइल एप या डिजिटल उत्पाद का उपयोग करते समय उपयोगकर्ता को कैसा अनुभव होता है। यूएक्स डिजाइनर का काम यह सुनिश्चित करना होता है कि उपयोगकर्ता बिना किसी परेशानी के अपना काम आसानी से पूरा कर सके।

विशेषज्ञताएं

यूएक्स डिजाइनर केवल स्क्रीन को आकर्षक बनाने का काम नहीं करता, बल्कि वह उपयोगकर्ताओं की जरूरतों और व्यवहार को समझकर पूरे उत्पाद को बेहतर बनाता है। उसके प्रमुख कार्य हैं।- उपयोगकर्ताओं की जरूरतों का अध्ययन करना।

- वेबसाइट या एप का प्रारंभिक खाका (वायरफ्रेम) तैयार करना।
- प्रोटोटाइप बनाकर उसकी जांच करना।
- उपयोगकर्ताओं से फीडबैक लेकर सुधार करना।
- डेवलपर्स और यूआई डिजाइनरों के साथ मिलकर अंतिम उत्पाद तैयार करना।

आवश्यक कौशल

- रचनात्मक सोच और समस्या समाधान की क्षमता
- उपयोगकर्ता व्यवहार को समझने की योग्यता-संचार कौशल
- डिजाइन थिंकिंग-फिग्मा, एडोबी एक्सडी जैसे डिजाइन टूल्स की जानकारी
- टीम में काम करने की क्षमता

प्रमुख सरकारी संस्थान

- प्रमुख सरकारी संस्थान-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन (एनआईडी) – अहमदाबाद, गांधीनगर, बेंगलुरु, भोपाल, आंध्र प्रदेश, हरियाणा समेत विभिन्न परिसरों में डिजाइन से जुड़े पाठ्यक्रम।
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) बॉम्बे
- इंडस्ट्रियल डिजाइन सेंटर (आईडीसी) में यूजर एक्सपीरियंस और इंटरैक्शन डिजाइन से संबंधित कार्यक्रम।
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) गुवाहाटी– डिजाइन विभाग में यूजर-केंद्रित डिजाइन शिक्षा।
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (एनआईएफटी)– डिजिटल और इंटरैक्शन डिजाइन से जुड़े पाठ्यक्रम।

कितना मिलता है वेतन

- फ्रेशर: लगभग 4 से 8 लाख रुपये प्रतिवर्ष-2 से 5 वर्ष का अनुभव : 8 से 18 लाख रुपये प्रतिवर्ष-अनुभवी यूएक्स डिजाइनर:
- 20 लाख रुपये या उससे अधिक वार्षिक पैकेज प्राप्त कर सकते हैं।
- भविष्य उज्ज्वल : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डिजिटल सेवाओं और ऑनलाइन कारोबार के विस्तार के साथ यूएक्स डिजाइनरों की मांग तेजी से बढ़ रही है। आने वाले वर्षों में यह क्षेत्र युवाओं के लिए सबसे अधिक अवसर देने वाले करियर विकल्पों में शामिल रहेगा।

पावस की सौगात

बीते दिनों के उदासीन बादल
गहरी उमस से उलझने लगे हैं

शोर मचा है बाहर भीतर
जब से पावस ऋतु है आई
प्रतीक्षारत थीं कब से आंखें
प्यासी धरा ने ली अंगड़ाई

जतन से ढके थे अंगार हमने
पवन की छुवन से सुलगने लगे हैं

माटी ने सोंधी खुशबू बिखेरी
भंवरों ने छेड़ा राग सुहाना
फूलों से मिलकर मकरंद लेने
तितली ने ढूंढा सुंदर बहाना

विधना की रचना कितनी निराली
हम भी कुछ कुछ समझने लगे हैं

वर्षा की बूंदे बरसें छमाछम
चातक रटे है पीहू- पीहू
नाचे मयूरा मदमस्त होकर
कोयल भी गाये कुहू- कुहू

बारिश ने पुलकित किया सृष्टितन
उपवन के अवयव संवरने लगे हैं

चंपा-चमेली, गुड़हल की लाली
बोलो तुम्हें क्या सौगात दे दें
आंसू के जल से गीला आंचल
बस अंजलि भर बरसात दे दें

अंतरघट में सहेजे हुए जो
उद्गार भी अब छलकने लगे हैं

मोटिवेशनल

भीतर की जीत से शुरू होता है नई राहों का सफर

आज का युवा जीवन अपने जीवन का सबसे परिवर्तनशील दौर जी रहा है। एक ओर अनगिनत अवसर सामने हैं, तो दूसरी ओर प्रतिस्पर्धा और अनिश्चितता का दबाव। हर दूसरे कदम पर तुलना, सोशल-मीडिया की चमक, और "तुरंत सफलता" का प्रलोभन युवाओं को भीतर से थका देता है। ऐसे समय में यह समझना जरूरी है कि नई राहों का सफर बाहर की दुनिया से नहीं, बल्कि भीतर की मानसिक शक्तियों से शुरू होता है। सफलता का असली रथ 'प्रतिभा' नहीं, बल्कि दृढ़ता, निरंतरता एवं धैर्य है। हमारी पीढ़ी के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह नहीं है कि अवसर कम हैं, बल्कि यह है कि मन बिखरा हुआ है। कई बार युवा अपने हुनर या सपने से पहले ही हार मान लेते हैं, सिर्फ़ इसलिए कि उन्हें लगता है कि राह कठिन है। जबकि सच यह है कि हर कठिन राह के पीछे किसी बड़ी जीत की संभावना छिपी होती है। दुनिया का हर सफल इंसान पहले असफल व्यक्ति रहा है जो डटा रहा, टिका रहा और सीखता रहा। आज तकनीक ने नई दिशाएँ खोली हैं। कौशल सीखना पहले जैसा मुश्किल नहीं रहा। आज एक मोबाइल फोन से हजारों कोर्स, मार्गदर्शन और प्रेरणादायक सामग्री उपलब्ध है, लेकिन सब कुछ उपलब्ध होने के बावजूद बहुत से युवा आगे क्यों नहीं बढ़ पाते? क्योंकि व्यक्ति तभी बढ़ता है, जब उसके अंदर 'स्व-अनुशासन' पैदा होता है। परिस्थितियाँ नहीं, मानसिकता रास्ता तय करती है। जो व्यक्ति खुद को बदलने का साहस जुटा लेता है, दुनिया की कोई ताकत उसे रोक नहीं सकती। हर कौशल, हर करियर और हर मंजिल की शुरुआत एक छोटे से कदम से होती है और वह कदम है आत्मप्रेरणा। कोई भी बाहरी शक्ति उतना बड़ा फर्क नहीं ला सकती, जितना फर्क आपका अपना मन, अपनी सोच और अपनी निरंतरता ला सकती है। यही कारण है कि आज के समय में सबसे बड़ा निवेश "डिग्री" नहीं बल्कि सीखने की आदत, काम के प्रति अनुशासन और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण है। जो युवा इन तीन चीजों को साध लेता है, वह किसी भी नौकरी, किसी भी उद्योग, किसी भी परीक्षा में अपना स्थान बना सकता है। युवाओं को बस यह याद रखना चाहिए कि सपने तभी पूरे होते हैं, जब हम उनके लिए भीतर से तैयार हों। जीत वहीं लिखी जाती है, जहां मन हिम्मत नहीं छोड़ता। नई राहों के अवसर पहले से अधिक हैं, बस कदम बढ़ाने की जरूरत है।

विपुल शर्मा

मोटिवेशनल स्पीकर

लघु कथा

किरकिरी

विश्वविद्यालय में जल दिवस पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी से लौटते हुए राहुल के शब्दों में बेचैनी थी।

'बचपन से सुन रहे हैं— गरीबी हटाओ, जल बचाओ, विकास लाओ। हर साल बाढ़ आती है, हर गर्मी में पानी का संकट खड़ा हो जाता है। बदलता क्या है? बस सरकारी रिपोर्टों के आँकड़े।'

रमेश ने कहा, 'समस्या केवल बारिश की नहीं, व्यवस्था की है।'

बात वहीं खत्म नहीं हुई।

अगले सप्ताह सोलह जागरूक छात्रों ने एक समूह बनाया। शहर के सोलह मोहल्ले चुने। उन्होंने तय किया कि शिकायत नहीं, शुरुआत करेंगे। घर-घर गए, लोगों को समझाया कि शहर को लंदन बनाने से पहले शहर को अपने ही देश की प्राचीन सभ्यता मोहनजोदड़ो के ड्रेनेज सिस्टम जैसी बेहतरीन व्यवस्था अपनाने की जरूरत है। साथ ही पिन्नियों,प्लास्टिक को टाटा बाय करने की जरूरत है; जिससे जल का प्राकृतिक बहाव बना रहे।

नील मणि

कहानीकार

जल निकासी व्यवस्था और जल संरक्षण व्यवस्था सुचारू करने के लिए घर व छतों का जल पाइपों से पार्कों और रिचार्ज गड्ढों तक पहुँचाया जाए। छात्रों ने घर-घर जाकर चंदा इकट्ठा किया; निवासियों को विश्वास में लिया और साथ में निवासियों का अनुभव भी जोड़ा। छात्रों ने वर्षा जल संचयन विशेषज्ञ को भी साथ लिया।

कुछ महीनों बाद मानसून आया।

इस बार वही मोहल्ले पानी में नहीं डूबे। हैंड-पंपों का जल-स्तर ऊपर आया। पार्क हरे थे, गलियाँ सूखी थीं।

स्थानीय अख़बार ने शीर्षक छापा—

'जहाँ सरकार नहीं पहुँची, वहाँ छात्रों ने व्यवस्था को पहुँचा दिया।'

शैतानी वर्ग के बड़े ठेकेदारों और व्यापारियों के कान खड़े हो गए और वह छात्र समूह शैतान वर्ग की आँखों की किरकिरी बन गया।

खबर संक्षेप

निःशुल्क मेडिकल कैंप में उमड़े ग्रामीण

हिसार। मदद जवान किसान गोसेवा समिति के बैनर तले गांव सरसाना में विशाल निःशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। कैंप के दौरान चिकित्सकों द्वारा ग्रामीणों की आंखों की जांच, पल्स, ब्लड प्रेशर एवं अन्य स्वास्थ्य जांच की गई। मरीजों को निःशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर मदद जवान किसान गौसेवा समिति के सक्रिय सदस्य शंकर धीवां, अनिल शर्मा, समाजसेवी जीत डांगी मौजूद रहे।

अवैध शराब तस्करी मामले में एक आरोपी काबू

हिसार। अग्रोहा थाना के सहायक उप निरीक्षक विक्रम ने आबकारी अधिनियम के तहत दर्ज मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी असरावां निवासी सोनू को गिरफ्तार किया है। आरोपी को अदालत में पेश कर दिया गया। पुलिस के अनुसार इस मामले में पूर्व में 48 बोतल अवैध देसी शराब बरामद की गई थी। मामले की जांच के दौरान आरोपी की संलिप्तता सामने आने पर उसे गिरफ्तार किया गया।

नई सब्जी मंडी में लगाया 45वां भंडारा

हिसार। श्री श्याम बालाजी सेवादार मंडल की टीम ने बारस पर नई सब्जी मंडी में 45वां मासिक भंडारा लगाया। भंडारे की शुरुआत वरिष्ठ सदस्य प्रवीण सहारण व विपिन कुमार द्वारा भोग लगवाकर की गई। सैंकड़ों लोगों ने कढ़ी चावल का प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर मंडल के प्रधान सुरेन्द्र बालान, कोषाध्यक्ष अरुण सेठी, रामगोपाल कुकडेजा, हैप्पी सैनी, डॉ. संजय सैनी, राजेंद्र सैनी, डॉक्टर मोहित, हैप्पी बालान, राजू, विजय बालान, गुलशन गाबा, अशोक वर्मा, तेजपाल, पारूल, संजय शर्मा, राकेश, बंसी, सौरभ, भीम सैनी, अहम, देवांश आदि उपस्थित रहे।

20 साल की उम्र में तिरंगे की आन पर कुर्बान हो गया पवित्र सिंह

- 27 साल बाद भी बेटे को तलाशती हैं मां की आंखें
- शौर्य गाथा सुनकर आज भी सेना में जाने का संकल्प लेते हैं युवा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौंद

जब-जब कारगिल विजय दिवस आता है, तब-तब देश उन अमर वीरों को श्रद्धापूर्वक नमन करता है, जिन्होंने हिमालय की दुर्गम चोटियों पर दुश्मनों के छक्के छुड़ाते हुए तिरंगे की शान के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। ऐसे ही अमर रणबांकुरों में हिसार जिले की नारनौंद तहसील के गांव मिलकपुर के वीर सपूत सिपाही पवित्र सिंह का नाम स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है। महज 20 वर्ष की उम्र में उन्होंने कारगिल की बर्फीली चोटियों पर ऐसा अदम्य साहस दिखाया कि उनकी वीरता आज भी क्षेत्र के युवाओं की रगों में देशभक्ति का जोश भर देती है। शहादत को 27 वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन मां खुजानी देवी की आंखें आज भी अपने वीर बेटे की याद में नम हो जाती हैं। परिवार के लिए यह अपूरणीय क्षति है, लेकिन उन्हें इस बात का गर्व भी है कि उनका लाल मातृभूमि की रक्षा करते हुए अमर हो गया।

कारगिल विजय दिवस

नारनौंद। बलिदानी पवित्र सिंह।

पिता का सपना, बेटे ने किया पूरा

9 अगस्त 1978 को जन्मे पवित्र सिंह सैन्य परंपरा वाले परिवार से थे। उनके पिता स्वर्गीय किताब सिंह श्योराण भारतीय सेना में अपनी सेवाएं दे चुके थे। पिता का सपना था कि उनका बेटा भी वर्दी पहनकर देश की सेवा करे। पवित्र सिंह ने इस सपने को अपना लक्ष्य बनाया और भारतीय सेना की प्रतिष्ठित 8 जाट रेजिमेंट में भर्ती होकर देश सेवा का संकल्प निभाया।

17000 फीट की ऊंचाई पर दिखाई वीरता

पाक समर्थित घुसपैठियों ने कारगिल की कई चोटियों पर कब्जा कर लिया था। उन्हें खदेड़ने के लिए भारतीय सेना ने ऑपरेशन विजय शुरू किया। 8 जाट बटालियन को नियंत्रण रेखा के पास लगभग 17 हजार फीट ऊंची चोटी पर कब्जा करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। 8 जुलाई 1999 की रात पवित्र सिंह और उनके साथी दुर्गम चट्टानों पर चढ़ रहे थे। तभी दुश्मन ने गोलीबारी शुरू कर दी लेकिन जवानों के कदम नहीं डगमगाए।

दुश्मन की चौकी फतह की फिर देश के लिए हंसते-हंसते दे दी जान

लगातार हो रही गोलाबारी के बीच पवित्र सिंह और उनके साथियों ने अद्भुत साहस का परिचय देते हुए दुश्मन से आमने-सामने की लड़ाई लड़ी और रणनीतिक चौकी पर तिरंगा फहरा दिया। लेकिन जीत की इस कीमत उन्हें अपने प्राणों से चुकानी पड़ी। 8 और 9 जुलाई 1999 की रात दुश्मन का एक तोप का गोला पवित्र सिंह के बिल्कुल निकट आकर फटा। भीषण विस्फोट में पवित्र सिंह सहित उनके तीन साथी मातृभूमि की रक्षा करते हुए वीरगति को प्राप्त हो गए। उनका सर्वोच्च बलिदान भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम का अमर अध्याय बन गया।

मां आज भी हर दिन करती हैं बेटे को याद

शहीद की माता खुजानी देवी बताती हैं कि बेटे की शहादत का दुख कभी कम नहीं हुआ। वह कहती हैं कि देश के लिए बेटे ने जान दी, इस पर गर्व है, लेकिन मां का दिल आज भी उसे हर पल याद करता है।

गांव का गौरव, युवाओं की प्रेरणा

गांव मिलकपुर का हर व्यक्ति अपने वीर सपूत पर गर्व करता है। शहीद की स्मृति में गांव के विद्यालय का नाम उनके नाम पर रखा गया है तथा सरकार द्वारा भव्य शहीद स्मारक का निर्माण कराया गया है। परिवार को सम्मानस्वरूप गैस एजेंसी भी प्रदान की गई। हर वर्ष गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस पर जिला प्रशासन शहीद के परिजनों को सम्मानित करता है।

पोस्टर, स्लोगन, भाषण और कविता के माध्यम से शहीदों को दी श्रद्धांजलि

विद्यार्थियों ने मनाया कारगिल विजय दिवस

हिसार। देशभक्ति कार्यक्रम प्रस्तुत करते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

साउथ बाईपास स्थित विज्डम स्कूल में कारगिल विजय दिवस श्रद्धा, सम्मान एवं देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया। विद्यार्थियों ने कारगिल युद्ध के वीर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए देशभक्ति से ओत-प्रोत भाषण, कविताएं एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने कारगिल के अमर वीरों के अदम्य साहस, पराक्रम और बलिदान को स्मरण करते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। साथ ही स्वतंत्रता संग्राम के प्रथम वीर क्रांतिकारी मंगल पांडे सहित अनेक महान देशभक्तों के योगदान पर भी प्रकाश डाला गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या नीलम पिलानिया व विद्यालय संचालक हरिपाल पिलानिया ने अपने संबोधन में कहा कि सर्वप्रथम राष्ट्र है—नेशन फर्स्ट। उन्होंने कहा कि देशभक्ति का अर्थ केवल सीमा पर जाकर शत्रुओं से युद्ध करना ही नहीं है। प्रत्येक नागरिक अपने-अपने कार्यक्षेत्र में ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और पूर्ण समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करके भी राष्ट्र की सच्ची सेवा कर सकता है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति अपने कार्य को पूरी लगन, जिम्मेदारी और उत्कृष्टता के साथ करता है, वही वास्तविक अर्थों में अपने देश के विकास में योगदान देता है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से जिम्मेदार नागरिक बनने का आह्वान किया। सभी ने शहीदों के सम्मान में दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

कारगिल विजय दिवस पर वीरों के बलिदान को किया नमन

हिसार। भारत-पाकिस्तान के बीच 1999 में हुए कारगिल युद्ध की जीत के उपलक्ष्य पर हर साल 26 जुलाई को मनाए जाने वाले कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को लघु सचिवालय के समीप शहीद स्मारक पर जिला प्रशासन एवं भूतपूर्व सैनिकों ने कारगिल युद्ध में शहीद हुए सभी सैनिकों के बलिदान को याद किया गया। जिला प्रशासन की ओर से जिला परिषद की उप कार्यकारी अधिकारी कीर्ति सिरोहीवाल ने पुष्प माला अर्पित कर वीरों के बलिदान को याद किया। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना के पराक्रम, अदम्य साहस व बलिदान की वजह से हम खुली हवा में सांस ले रहे है। हमारे जवान दिन रात भारत की सीमा की सुरक्षा करते है तभी सभी नागरिक चैन की नींद सो पाते है। यह हमारा कर्तव्य बनता है कि शहीदों के बलिदान को हम याद करें, उन्हें नमन करें। इस अवसर पर सेवानिवृत्त सूबेदार मेजर जगदीश चंद्र, दलीप सिंह, महाबीर सिंह, सुरेंद्र सिहाग, सुशील त्यागी, पवन कुमार, संदीप, सतीश कुमार, सोमबीर, राजेंद्र गोदारा, संदीप चोपड़ा, उमेद सोनी, महिपाल रोहिला, बृजलाल, पवन, मनोज, विनोद, रोहताश, दीपक, एचएफओ धर्मबीर, महिपाल जोगीराम, वेद प्रकाश, मनीष आदि पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

देशभक्ति से ओत-प्रोत नृत्य नाटिका का मंचन

बरवाला। भारती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल बरवाला में कारगिल विजय दिवस पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत नृत्य नाटिका का मंचन किया गया। इस कार्यक्रम में सभी बच्चे कारगिल के दृश्य मंचन से मंत्र मुग्ध हो रहे थे। देश प्रेम के जज्बे के साथ सभी ने वंदे मातरम और भारत माता की जय के नारे लगाए। इसके अलावा बच्चों की सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता भी करवाई गई। बच्चों के चहुंमुखी विकास के लिए सभी विद्यार्थियों को शैक्षणिक गतिविधियों के साथ साथ प्रायोगिक और मौखिक अभ्यास के लिए भी प्रेरित किया गया। सभी बच्चों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर विद्यालय डायरेक्टर साधु राम के द्वारा उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित की गई और विद्यालय प्राचार्या मधु शर्मा ने सभी बच्चों और अध्यापकों के प्रयास की प्रशंसा की और कहा कि भविष्य के उज्ज्वल निर्माण के लिए आज को विवेक पूर्ण बनाना होगा और भटकाव से बचाना होगा। तभी हम बच्चों को उनके सुरक्षित और सुनहरे भविष्य के लिए तैयार कर सकते है।

एसडी मॉडर्न स्कूल में मना कारगिल विजय दिवस

हांसी। एसडी मॉडर्न पब्लिक स्कूल में कारगिल विजय दिवस देशभक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कक्षा नौवीं से बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेकर कारगिल के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने पावर पॉइंट प्रस्तुति, पोस्टर मेकिंग, स्लोगन लेखन, कविता पाठ और भाषण के माध्यम से कारगिल युद्ध के वीर सैनिकों के अदम्य साहस, शौर्य और बलिदान को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों ने राष्ट्र की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर जवानों को नमन करते हुए देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन अध्यापिका सुमन झाम्ब के निर्देशन में किया गया। विद्यालय की प्राचार्या ऋतु सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि कारगिल विजय दिवस हमें देशभक्ति, अनुशासन और राष्ट्र सेवा की प्रेरणा देता है। उन्होंने विद्यार्थियों से देश के प्रति अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। शहीदों का बलिदान सदैव प्रेरणा देता रहेगा।

चरण पादुका पूजन व गुरु पूर्णिमा महोत्सव की तैयारियां पूरी

हिसार। अध्यात्म के पोषक तिरुपति बालाजी धाम में 27 जुलाई को मनाए जाने वाले चरण पादुका पूजन व गुरु पूर्णिमा महोत्सव की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस महोत्सव के प्रति श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है और विभिन्न क्षेत्रों से काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंचेंगे। यह महोत्सव पदम पद प्राप्त जगदगुरु त्रिदंडी जीयर स्वामी के परम कृपापात्र स्वामी नारायणाचार्य महाराज के सान्निध्य में आयोजित किया जाएगा।

चरण पादुका पूजन व गुरु पूर्णिमा महोत्सव 27 जुलाई को प्रातः 10 बजे शुरू होगा। परम पद प्राप्त जगदगुरु त्रिदंडी जीयर स्वामी की चरण पादुका का विधि-विधान से पूजन किया जाएगा और स्वामी नारायणाचार्य महाराज प्रवचनों की अमृतवर्षा करेंगे। नारायणाचार्य महाराज 27 जुलाई को तिरुपति धाम पर ही प्रवास करेंगे। वे 28 जुलाई को जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। गुरू पूर्णिमा महोत्सव में पधारने वाले श्रद्धालुओं को तिरुपति धाम में स्थापित विभिन्न मंदिरों, 42 फुट ऊंचे सोने के गरुड़ स्तंभ, बलिपीठम्, तिरुपति यज्ञशाला, श्रीनिवास गोशाला, पवित्र पुष्करणी व 71 फुट ऊंचे गोपुरम के दर्शन का भी अवसर मिलेगा।

आदमपुर में लगा अंत्योदय मेला, पात्रों को मिलेगा सरकारी योजनाओं का लाभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आदमपुर

आदमपुर। अंत्योदय मेले में पहुंचे क्षेत्रवासी। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा सरकार द्वारा प्रदेश के अंत्योदय परिवारों को सभी सरकारी योजनाओं का लाभ एकल खिड़की के माध्यम से उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से अंत्योदय योजना-परिवार उत्थान के तहत रविवार को आदमपुर में खंड विकास एवं पंचायत कार्यालय परिसर में परिवार उत्थान मेला का आयोजन किया गया। अतिरिक्त उपायुक्त शालिनी चेतल कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रही और विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए सेवा स्टॉलों का निरीक्षण किया। अतिरिक्त उपायुक्त ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशों के अनुरूप अंत्योदय योजना प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता वाली योजना है। इस योजना का मूल उद्देश्य प्रदेश के सबसे गरीब परिवारों की पहचान कर उन्हें स्वरोजगार, कौशल विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा एवं वित्तीय सहायता से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि ऐसे मेलों के माध्यम से पात्र परिवारों को भटकना नहीं पड़ता तथा एक ही स्थान पर सभी विभागों से सहायता प्राप्त हो जाती है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेले में प्राप्त होने वाले सभी आवेदनों की गहनता से जांच कर पात्र व्यक्तियों को निर्धारित समयावधि में योजनाओं का लाभ प्रदान करना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि कोई भी पात्र लाभार्थी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने बताया कि परिवार पहचान पत्र के डाटा के आधार पर चिन्हित परिवारों को प्राथमिकता से कवर किया जा रहा है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर एसडीएम ज्योति मित्तल, तहसीलदार रामनिवास भादू, तहसीलदार अजय चौहान, खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी आदमपुर नवीन लोहान, अग्रणी जिला प्रबंधक बैंक कमल चंद गोयल, मुनीष एलावादी, जिला संयोजक बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ जेपी पाहवा, मंडल संयोजक श्याम सुंदर शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

पर्यावरण संरक्षण ही शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि : भूमि

नारनौंद। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर पर्यावरण भवन थुराणा में 'भूमि मित्र' संगठन की ओर से एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान भूमि मित्र के सदस्यों ने पौधरोपण व वीर शहीदों के नारे लगाकर कर याद किया और युवाओं को पौधों का वितरण कर उन्हें सम्मानित किया। पर्यावरण और समाज सेवा के प्रति समर्पित 'भूमि मित्र' टीम अब तक हजारों पौधे रोपित कर चुकी है। पर्यावरण भवन थुराणा से जुड़कर सैकड़ों युवाओं की यह टीम निरंतर पर्यावरण संरक्षण और समाज भलाई के कार्यों में पूरी निष्ठा के साथ जुड़ी हुई है। कार्यक्रम के दौरान भूमि मित्र अमनदीप सिंह पन्नू ने उपस्थित युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं को वीर शहीदों को न केवल उनके विशेष दिवसों पर याद करना चाहिए। बल्कि उनके द्वारा दिखाए गए देशसेवा और समर्पण के मार्ग पर निरंतर अग्रसर भी होना चाहिए। इस अवसर पर स्थानीय युवा एवं पर्यावरण प्रेमी मौजूद रहे, जिन्होंने पर्यावरण बचाने और शहीदों की याद में हर वर्ष नए पौधे लगाने का संकल्प लिया। इस मौके पर उपाध्यक्ष सुमित सिंहमार, अजय मोरवल, नसीब मुन्ना मलिक, राजू, राकेश, मंजीत व राजीव आदि मौजूद थे।

छिंपा समाज समिति ने रोपे 51 पौधे

आदमपुर। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए छिंपा समाज समिति की ओर से रविवार को पौधारोपण अभियान चलाया गया। अभियान का शुभारंभ समिति के प्रधान गोलूराम मिस्त्री तथा राजाराम पवार ने संयुक्त रूप से किया। समिति के प्रवक्ता विनोद वर्मा ने बताया कि अभियान के तहत धर्मशाला परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में 51 पौधे लगाए गए। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और हरित वातावरण के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए तथा उनकी नियमित देखभाल का संकल्प भी लेना चाहिए। इस अवसर पर पूर्व वन अधिकारी पृथ्वी रेंजर ने कहा कि पेड़-पौधों के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। वृक्ष न केवल पर्यावरण को संतुलित रखते हैं, बल्कि शुद्ध वायु प्रदान करने के साथ-साथ अनेक औषधीय पौधे विभिन्न बीमारियों के उपचार में भी उपयोगी होते हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने का आह्वान किया, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण मिल सके। पौधारोपण अभियान में विनोद कुमार, सुशील कुमार, संजय छिंपा, प्राण सिंह, सुशील कुमार, सुरभि छिंपा सहित समिति के अनेक सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

संत नामदेव छिंपी समाज सभा की बैठक में लेखा-जोखा पेश

बरवाला। संत नामदेव छिंपी समाज सभा की वार्ड 13 स्थित लक्ष्मी विहार कॉलोनी स्थित सभा के कार्यालय में बैठक हुई। बैठक में उपस्थितजनों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए और अभी तक का सभा का सारा लेखा-जोखा पेश किया गया। सचिव नरेंद्र कुमार सागू ने बताया कि बैठक में सर्वसम्मति से धर्मशाला निर्माण संबंधित निर्णय लिए गए और केबिनेट मंत्री हरियाणा सरकार रणबीर सिंह गंगवा और संत नामदेव सभा अध्यक्ष हरियाणा सतबीर वर्मा से शीघ्र ही मिलने का प्रस्ताव पास किया। सभा कार्यकारिणी के पदाधिकारियों और सदस्यों को आई कार्ड वितरित किए गए। इस अवसर पर कमेटी प्रधान राजेंद्र सरोया, उपप्रधान प्रकाश अग्रोईया,कैशियर महावीर रोहिल्ला, सचिव नरेंद्र कुमार सागू, उपसचिव नफेसिंह रोहिल्ला, सुभाष चंद्र रोहिल्ला खरक, ओमप्रकाश मतलौढा, राजेंद्र सागु खदेड़, सतबीर सिंह ताशा कानोह, कुलदीप सिंह अग्रोईया, विजय सरोया व सुभाष पांडला आदि मौजूद रहे।

ढाणा खुर्द में नशे के खिलाफ निकाली जागरूकता रैली

हांसी। हांसी पुलिस द्वारा नशा मुक्त समाज के निर्माण के उद्देश्य से चलाए जा रहे अभियान के तहत रविवार को गांव ढाणा खुर्द में जन जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, युवाओं, महिलाओं और बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर नशे के खिलाफ एकजुट होकर समाज को जागरूक करने का संकल्प लिया। रैली का नेतृत्व नशा मुक्ति टीम के इंचार्ज सहायक उप निरीक्षक दीपक कुमार तथा थाना सदर हांसी के प्रभारी निरीक्षक सदानंद ने किया। रैली गांव के प्रमुख स्थान से शुरू होकर विभिन्न गलियों से गुजरी। इस दौरान प्रतिभागियों ने हाथों में जागरूकता बैनर और तख्तियां लेकर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया तथा युवाओं से नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहने की अपील की। इस अवसर पर सदर थाना प्रभारी निरीक्षक सदानंद ने कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज के लिए गंभीर चुनौती है। नशे की लत युवाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और भविष्य को प्रभावित करती है। इसलिए प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह स्वयं नशे से दूर रहे और अपने परिवार व आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करे। उन्होंने बताया कि पुलिस नशा तस्करों और अवैध नशे के कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है। यदि किसी व्यक्ति को अपने क्षेत्र में नशा बेचने या तस्करी की जानकारी मिले तो वह तुरंत पुलिस को सूचना दे। सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी और तत्काल कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आचार्य श्री भिक्षु की 300वीं जन्मशताब्दी पर तेरापंथ भवन में हुआ समारोह

हांसी। तेरापंथ भवन में रविवार को आचार्य श्री भिक्षु की 300वीं जन्मशताब्दी श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाई गई। तेरापंथ सभा द्वारा युवक परिषद, महिला मंडल एवं तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के सहयोग से आयोजित इस समारोह में आचार्य श्री भाग्यवती के सानिध्य एवं तेरापंथ सभा के अध्यक्ष सुभाष जैन की अध्यक्षता में अनेक धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ साध्वी मंडल द्वारा मंगल गीतिका एवं आचार्य श्री भिक्षु के स्मरण के साथ हुआ। साध्वियों ने अपने प्रवचनों में आचार्य श्री भिक्षु के जीवन, आदर्शों एवं उनके द्वारा प्रतिपादित अहिंसा, सदाचार और मानवता के संदेश पर प्रकाश डालते हुए श्रद्धालुओं से उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अहिंसा, नैतिकता और आपसी सद्भाव को अपने जीवन में अपनाकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास करना चाहिए। इस अवसर पर ज्ञानशाला के बच्चों एवं महिला मंडल की सदस्यों ने मंगल गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम को भक्तिमय बना दिया। तेरापंथ सभा के अध्यक्ष सुभाष जैन ने कहा कि वर्तमान समय में समाज को आचार्य श्री भिक्षु के आदर्शों से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सभी को संवेदनशीलता, एकता और सेवा की भावना के साथ समाज के उत्थान में अपना योगदान देना चाहिए। आचार्य श्री भिक्षु का जीवन अनुशासन, त्याग और मानवीय मूल्यों का अनुपम उदाहरण है।

प्रयास रावलवास कलां के स्कूल में दिलाई नशा मुक्ति की शपथ

पुलिस टीम ने गांव-गांव पहुंचकर चलाया जनजागरण अभियान, 13 नशा पीड़ितों को उपचार से जोड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। ग्रामीणों को जागरूक करते नशा मुक्ति टीम। फोटो : हरिभूमि

जिले को नशामुक्त बनाने की दिशा में लगातार सक्रिय नशा मुक्ति पुलिस टीम की ओर से लगातार विशेष जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत रविवार को थाना आजाद नगर क्षेत्र के गांव रावलवास खुर्द और रावलवास कलां में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभियान के दौरान विद्यार्थियों, महिलाओं और ग्रामीणों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराने के साथ-साथ 13 नशा पीड़ितों को दवा, काउंसलिंग और उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई गई। नशा मुक्ति टीम ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, रावलवास कलां में आयोजित कार्यक्रम में करीब 150 छात्र-छात्राओं को नशे से दूर रहकर शिक्षा, खेल और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय की प्राचार्या विमल आर्य तथा शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। सभी विद्यार्थियों ने नशे से दूर रहने और दूसरों को भी जागरूक करने की शपथ ली। इसके बाद पुलिस टीम ने शिव हनुमान मंदिर परिसर में लगभग 50 महिला श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि परिवार की भूमिका नशे के खिलाफ सबसे महत्वपूर्ण है।

सहयोग से ही जीती जाएगी नशे के खिलाफ लड़ाई : सिद्धांत जैन

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन का कहना है कि नशा केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। इसलिए इसके खिलाफ लड़ाई में पुलिस के साथ समाज, परिवार और शिक्षण संस्थानों की समान भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि यदि कहीं भी नशे की खरीद-फरोख्त या तस्करी की जानकारी मिले तो तत्काल पुलिस को सूचित करें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

आर्यनगर में यज्ञ-हवन के साथ मनाई गई गुरु दक्ष की जयंती

हिसार। नजदीकी गांव आर्यनगर में गुरु दक्ष जयंती श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर ग्रामवासियों की ओर से यज्ञ-हवन का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर गुरु दक्ष महाराज को नमन किया। कार्यक्रम का आयोजन सीताराम आर्य के सानिध्य में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरिराम टाक ने कहा कि गुरु दक्ष महाराज के आदर्श आज भी समाज के लिए प्रेरणादायी हैं। उन्होंने सभी ग्रामवासियों से उनके बताए मार्ग पर चलने तथा सामाजिक एकता, भाईचारे और सद्भाव को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण पर बल देते हुए कहा कि यज्ञ-हवन से वातावरण की शुद्धता होती है तथा प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए। विशिष्ट अतिथि हरीसिंह सरसवा ने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन समाज में आपसी प्रेम, भाईचारा और एकजुटता को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने गुरु दक्ष महाराज के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम संयोजक कृष्ण कुमार आईतान ने बताया कि गुरु दक्ष महाराज प्रजापति समाज के महान गुरु एवं सामाजिक समरसता के प्रतीक थे। उनके शासनकाल में समाज में छुआछूत और किसी भी प्रकार के भेदभाव का स्थान नहीं था। उन्होंने बताया कि उस समय नियमित रूप से हवन—यज्ञ होते थे और धर्म, संस्कार एवं सामाजिक समानता को महत्व दिया जाता था।

खबर संक्षेप

चोरीशुदा पंखे सहित आरोपी गिरफ्तार

हिसार। आदमपुर पुलिस ने चोरीशुदा पंखा सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी उप निरीक्षक हरीश कुमार ने बताया कि गांव खैरमपुर निवासी सुल्तान सिंह की शिकायत पर यह मामला दर्ज किया गया। शिकायतकर्ता ने बताया कि 24—25 जुलाई 2026 की रात्रि उसके घर से कोई व्यक्ति पंखा व अन्य समान चोरी कर ले गया। पुलिस ने केस दर्ज करके जांच करते हुए मुख्य सिपाही संदीप ने तकनीकी एवं स्थानीय सूचना के आधार पर आरोपी गांव के ही पवन उर्फ मामला को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी की निशानदेही पर चोरीशुदा पंखा बरामद कर लिया गया।

शहर पुलिस ने उद्घोषित अपराधी पकड़ा

हिसार। शहर पुलिस ने एक उद्घोषित अपराधी को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी शहर पीएसआई अमित कुमार ने बताया कि गिरफ्तार किए गए उद्घोषित अपराधी की पहचान सिरसा जिले के नटार गांव निवासी सतपाल सिंह के रूप में हुई है। आरोपी न्यायालय में पेश न होने के कारण लंबे समय से फरार चल रहा था, जिस पर उसे उद्घोषित अपराधी (पीओ) घोषित किया गया था। शहर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करके अदालत में पेश किया।

एसी पाइप/वायर चोरी के मामले में आरोपी काबू

हिसार। शहर थाना पुलिस ने एसी पाइप/वायर चोरी के मामले में आरोपी सिरसा जिले के जोधकां निवासी विनोद कुमार को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से चोरीशुदा सामान बरामद किया गया है। थाना शहर हिसार के मुख्य सिपाही नवीन ने बताया कि इस संबंध में पूजा मार्केट में दुकान चलाने वाले कृष्ण कुमार की शिकायत पर शहर थाना में मुकदमा दर्ज किया गया था। शिकायत के अनुसार आरोपी ने दुकान की छत पर लगी एसी की पाइप एवं वायर चोरी कर ली थी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर चोरीशुदा माल बरामद कर लिया गया। आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

एसयूसीआई ने छात्रों की जीत पर दी बधाई

हिसार। एसयूसीआई कम्युनिस्ट के जिला सचिव मेहर सिंह बांगड़ ने पार्टी की ओर से छात्रों व युवाओं को उन की ऐतिहासिक जीत पर हार्दिक बधाई दी है। पार्टी के महासचिव प्रभाष घोष ने देश के छात्रों और युवाओं की इस ऐतिहासिक जीत पर हार्दिक बधाई देते हुए कहा की अंततः छात्रों व युवाओं के आंदोलन के दबाव में भाजपा सरकार को झुकने और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग स्वीकार करने के लिए विवश कर दिया। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन निश्चित रूप से उत्पीड़ित जनता के सभी तबकों को प्रेरित करेगा कि वे शोषणकारी पूंजीवादी व्यवस्था और उसकी सेवा करने वाले शासकों के विरुद्ध संगठित होकर अपनी मांगों को लेकर संघर्ष करें।

कल्चरल फेस्ट-2026 में छाया नारनौंद मॉडल स्कूल, बना ओवरऑल चैंपियन

- असली हरियाणा देखना है तो नारनौंद आइए : महेंद्र श्योराण
- बच्चों के चहुंमुखी विकास का सशक्त माध्यम है कल्चरल फेस्ट : बीईओ जोगिंद्र सिंह

नारनौंद। विजेता छात्रों को सम्मानित करते डीईओ महेंद्र सिंह श्योराण व अन्य। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौंद

लोक संस्कृति की रंगत, हरियाणवी रागनियों की गूंज, पारंपरिक वेशभूषा की छटा और बच्चों की शानदार प्रस्तुतियों के बीच आयोजित खंड स्तरीय कल्चरल फेस्ट-2026 में राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, नारनौंद ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। दिनभर चली सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का ऐसा प्रदर्शन किया कि पूरा परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। कार्यक्रम का शुभारंभ हांसी के जिला शिक्षा अधिकारी महेंद्र सिंह श्योराण, खंड शिक्षा अधिकारी जोगिंद्र सिंह, नगरपालिका चेयरमैन शमशेर लोहान उर्फ कूकन, प्राचार्य जितेंद्र सोनी, प्राचार्य अरुण लोहान, जिला कल्चरल फेस्ट कॉर्डिनेटर कुलदीप सिंह, प्रवीण कुमारी, शक्ति सिंह तथा डॉ. अजय लोहान ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि महेंद्र सिंह श्योराण ने विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए कहा कि यदि किसी को असली हरियाणा की संस्कृति, लोक परंपराओं और प्रतिभा के दर्शन करने हैं तो उसे नारनौंद जरूर आना चाहिए। यहां के बच्चों ने मंच पर जो प्रस्तुतियां दी हैं, वे हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की जीवंत तस्वीर हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाती हैं और उनमें नेतृत्व क्षमता का विकास करती हैं। खंड शिक्षा अधिकारी जोगिंद्र सिंह ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना है। उन्होंने कहा कि कल्चरल फेस्ट बच्चों के चहुंमुखी विकास का प्रभावी मंच है, जहां उन्हें अपनी कला, संस्कृति और रचनात्मक प्रतिभा को खुलकर प्रस्तुत करने का अवसर मिलता है।

समूह नृत्य ने मोहा मन

प्रतियोगिताओं में एकल एवं समूह नृत्य ने दर्शकों का खूब मन मोह लिया। इन प्रतियोगिताओं के निर्णायक मंडल में रश्मि, कमलेश और संध्या ने अपनी सेवाएं दीं। नाटक प्रतियोगिता का मूल्यांकन सूरज शास्त्री एवं राधेश्याम ने किया, जबकि रागनी प्रतियोगिता में लोकेश चौहान, अश्वनी और बलजीत ने निर्णायक की भूमिका निभाई। समापन समारोह में जिला शिक्षा अधिकारी ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों को ट्रॉफी, पदक एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। ओवरऑल चैंपियन बनने पर राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, नारनौंद के विद्यार्थियों और शिक्षकों में उत्साह का माहौल रहा। इस अवसर पर प्राचार्य अरुण लोहान, सुमन लता, मीना कुमारी, संतोष कुमारी, उम्मेद सिंह दुहन, रमेश कुमार, रेखा सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी, अभिभावक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। पूरे आयोजन में हरियाणवी संस्कृति, लोक कला और सांस्कृतिक विरासत की अनूठी झलक देखने को मिली।

बंधक बनाकर मारपीट करने में तीसरा आरोपी गिरफ्तार

- 12 जुलाई को न्याना निवासी रवि की शिकायत पर दर्ज किया था मुकदमा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

सदर पुलिस ने बंधक बनाकर मारपीट, जातिसूचक अपमान, जबरन वसूली, जान से मारने की धमकी देने तथा घटना की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने के मामले में लगातार कार्रवाई करते हुए एक और आरोपी को गिरफ्तार कर दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। रिमांड के दौरान आरोपी से गहनता से पूछताछ की जाएगी। सहायक पुलिस अधीक्षक मयंक मुदगिल ने बताया कि गत 12 जुलाई को गांव न्याणा निवासी रवि कुमार की शिकायत पर सदर थाना में यह मामला दर्ज किया गया था। शिकायत के अनुसार शिकायतकर्ता एवं उसके साथियों ने सातरोड़ कैंट स्थित एक कार रेंटल संचालक से स्कॉर्पियो वाहन किराये पर लिया था, जो दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसके बाद आरोपियों ने शिकायतकर्ता एवं उसके साथियों को अपनी दुकान पर बुलाकर कथित रूप से बंधक बना लिया, उनके साथ मारपीट की, जातिसूचक टिप्पणियां कीं, जान से मारने की धमकी दी तथा घटना की वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दी। इतना ही नहीं, शिकायतकर्ता के साथियों से जबरन रुपये भी वसूल किए गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए सदर थाना पुलिस ने पहले मुख्य आरोपी आदर्श कॉलोनी निवासी धर्मेंद्र व सैनिक कॉलोनी निवासी मनीष कुमार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भिजवाया था। जांच को आगे बढ़ाते हुए पुलिस ने अब मामले में तीसरे आरोपी हांसी के देपल निवासी प्रवीण गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को अदालत में पेश कर दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है, ताकि उससे मामले में शामिल अन्य व्यक्तियों, जबरन वसूली गई राशि, घटना की साजिश तथा पूरे घटनाक्रम के संबंध में गहन पूछताछ की जा सके।

केवल सेबी से पंजीकृत संस्थाओं में करें निवेश

- गारंटीड मुनाफे के झांसे में न आएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

ऑनलाइन निवेश और एसआईपी के नाम पर बढ़ रही साइबर ठगी को देखते हुए हांसी पुलिस ने आमजन को सतर्क रहने की अपील की है। पुलिस का कहना है कि साइबर अपराधी शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड, एसआईपी और अन्य निवेश योजनाओं के नाम पर लोगों को अधिक मुनाफे का लालच देकर लाखों रुपये की ठगी कर रहे हैं। ऐसे में निवेश करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल करना बेहद जरूरी है। एसपी विनोद कुमार ने बताया कि साइबर ठग सोशल मीडिया, व्हाट्सएप, टेलीग्राम और फर्जी वेबसाइटों के माध्यम से लोगों से संपर्क करते हैं। शुरुआत में छोटी राशि पर नकली लाभ दिखाकर उनका विश्वास जीतते हैं। इसके बाद अधिक मुनाफे का लालच देकर बड़ी रकम निवेश करवा लेते हैं। जब निवेशक अपना पैसा वापस निकालने की कोशिश करता है तो टैक्स, प्रोसेसिंग फीस, सिक्योरिटी चार्ज या अन्य शुल्क के नाम पर और पैसे मांगे जाते हैं। अंत में ठग मोबाइल नंबर बंद कर देते हैं, वेबसाइट या ऐप हटा देते हैं और पीड़ित से संपर्क समाप्त कर देते हैं। उन्होंने बताया कि कई मामलों में साइबर अपराधी खुद को निवेश सलाहकार, कंपनी प्रतिनिधि या अधिकृत एजेंट बताकर लोगों से संपर्क करते हैं। वे नकली डैशबोर्ड पर फर्जी मुनाफा दिखाकर निवेशकों को लगातार अधिक पैसा लगाने के लिए प्रेरित करते हैं। यह पूरी तरह सुनियोजित साइबर धोखाधड़ी का तरीका है। एसपी ने नागरिकों से अपील की कि किसी भी निवेश योजना में पैसा लगाने से पहले संबंधित कंपनी का भारतीय प्रतिभूति में पंजीकरण अवश्य जांचें। किसी भी अनजान लिंक, मोबाइल ऐप या वेबसाइट के माध्यम से निवेश न करें।

हिसार। ओशो ध्यान उपवन में आयोजित ध्यान शिविर में हिस्सा लेते साधक।

ओशो के ध्यान सूत्र पर आधारित ध्यान शिविर में साधकों ने समझे खुशहाल जीवन के उपाय

- शांति, संवेदनशीलता और सकारात्मक ऊर्जा के विस्तार के लिए नियमित रूप से ध्यान करें : स्वामी संजय

हिसार। ओशो के ध्यान सूत्र पर आधारित ध्यान शिविर में विभिन्न क्षेत्रों से साधकों ने हिस्सा लिया। इस दौरान आयोजित किए गए विभिन्न सत्रों में जहां साधकों ने ध्यान की विभिन्न विधियां सीखी, वहीं ध्यान साधना का अभ्यास भी किया। इसके साथ ही साधकों ने ओशो के ध्यान सूत्र को समझा और खुशहाल व आनंदमय जीवन के उपाय भी साझा किए गए। सिरसा रोड स्थित ओशो ध्यान उपवन में आयोजित एक दिवसीय ध्यान शिविर में स्वामी संजय व मां सांची ने साधकों को ओशो के ध्यान सूत्र से रूबरू करवाया। स्वामी संजय ने कहा कि शांति, संवेदनशीलता और सकारात्मक ऊर्जा के लिए नियमित रूप से ध्यान करें। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन की भागदौड़ व मानसिक दबाव के बीच ध्यान साधकों को भीतर से सशक्त बनाता है। इसलिए साधकों को प्रतिदिन कुछ समय ध्यान के लिए अवश्य निकालना चाहिए। इस दौरान साधकों ने जीवन के झंझावात से जुड़े विभिन्न प्रश्न भी पूछे। स्वामी संजय ने सभी प्रश्नों का उदाहरण सहित जवाब देते हुए साधकों की जिज्ञासा को शांत किया।

अनिल शर्मा बने प्रधान व नरेश गौतम महासचिव

- नागरिक अधिकार मंच का प्रथम द्विवार्षिक सम्मेलन संपन्न

हिसार। शपथ ग्रहण करते नागरिक अधिकार मंच के नवनियुक्त पदाधिकारी व सम्मेलन को संबोधित करते सेवानिवृत्त मंडल आयुक्त अशोक गर्ग। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

नागरिकों के अधिकारों की रक्षा और जनहित के मुद्दों पर कार्य करने के उद्देश्य से गठित नागरिक अधिकार मंच का प्रथम द्विवार्षिक सम्मेलन रविवार को राजगुरु मार्केट स्थित पंजाबी धर्मशाला में हुआ। सम्मेलन में मंच की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें अनिल शर्मा को प्रधान और नरेश गौतम को महासचिव चुना गया। सम्मेलन की संयुक्त अध्यक्षता अनु सूरा ढींगड़ा एवं होशियार खान ने की, जबकि मंच का संचालन रवि आहूजा और त्रिलोक बंसल ने किया। मुख्य वक्ता के रूप में सेवानिवृत्त मंडल आयुक्त अशोक गर्ग तथा यूको बैंक के सेवानिवृत्त वरिष्ठ प्रबंधक ओमप्रकाश उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता अशोक गर्ग ने भारतीय संविधान के तहत नागरिकों को जागरूक रहने का आह्वान किया। ओमप्रकाश ने शहर में बढ़ रही सामाजिक बुराइयों पर चिंता जताते हुए सभी से एकजुट होकर इनके खिलाफ कार्य करने की अपील की। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शहर में सौहार्दपूर्ण वातावरण के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। नई कार्यकारिणी में अनु सूरा ढींगड़ा को वरिष्ठ उपप्रधान बनाया गया। मंगल ढालिया, अशोक असीजा, होशियार खान, सरवजीत कौर, सतीश आहूजा और त्रिलोक बंसल को उपप्रधान, सीमा रानी और राजेश बागड़ी को उप महासचिव, संजय तिसावर, बबली लांबा, एडवोकेट कुसुम प्रजापति, धर्मपाल पूनिया, रमेश आहूजा और सुभाष को सचिव, रितिंद्र बागड़ी, लीलूराम जांगड़ा, संजीव मांजराय और सुरेंद्र मान को संगठन सचिव तथा रवि आहूजा को प्रेस सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई।

'मन की बात' देश के निर्माण का जन आंदोलन बना : डॉ. आशा

- विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में अपना योगदान दें नागरिक : रणधीर पनिहार
- जिला अध्यक्ष व अन्य ने सेक्टर 15 में सुना प्रधानमंत्री का मन की बात कार्यक्रम

हिसार। कार्यक्रम को संबोधित करते डॉ. आशा खेदड़ व उपस्थित अन्य नेता तथा नारनौंद में मन की बात कार्यक्रम को सुनते हुए भाजपा महिला जिला अध्यक्ष नीलम जांगड़ा। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'मन की बात' कार्यक्रम आज विकसित भारत के निर्माण का जनआंदोलन बन चुका है। इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री देशवासियों को समाज हित, पर्यावरण संरक्षण,स्वदेशी और सेवा के भाव से जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। खेदड़ रविवार को नलवा विधानसभा क्षेत्र के सेक्टर-15 स्थित ब्लूमिंग डेल्स स्कूल में 'मन की बात' कार्यक्रम सुन रही थीं। कार्यक्रम में नलवा के विधायक रणधीर पनिहार के अलावा बूथ अध्यक्ष, भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। जिला अध्यक्ष ने कहा कि 'मन की बात' केवल विचारों का आदान-प्रदान नहीं, बल्कि जनभागीदारी को सशक्त बनाने का एक प्रभावी माध्यम है। विधायक पनिहार ने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रेरणादायी विचार हम सभी को राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करते हैं। हम सभी का यह दायित्व है कि 'मन की बात' से मिली प्रेरणा को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाते हुए विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में अपना योगदान दें।

'मन की बात' राष्ट्र निर्माण का माध्यम : नीलम जांगड़ा

नारनौंद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' का प्रसारण रविवार को नारनौंद के बूथ नंबर 95 पर सुना गया। कार्यक्रम का आयोजन भाजपा महिला जिला अध्यक्ष नीलम जांगड़ा के नेतृत्व में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और स्थानीय लोगों ने भाग लिया।

सिटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में गोयनका को दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

सिटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, आर्य नगर में शोक सभा हुई। बैठक में गोभक्त नंद किशोर गोयनका के निधन पर शोक जताते हुए दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना की गई। शोक सभा में सातरोड खुर्द निवासी स्व. सुरेश मित्तल के पुत्र अहमदाबाद निवासी अमित मित्तल एवं वनवासी कल्याण संघ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी मेंबर राम बाबू सिंगल विशेष रूप से उपस्थित रहे।

सिटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में अध्यक्ष महाबीर पूनिया की अध्यक्षता में शोक सभा हुई। इसमें कॉलेज स्टाफ व अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने शोक व्यक्ति करते हुए कहा कि स्व. श्री नंद किशोर गोयनका एक महान गौ-भक्त, समाजसेवी, उदार एवं सरल व्यक्तित्व के धनी थे। उनका संपूर्ण जीवन भारतीय संस्कृति, मानवीय मूल्यों, गौ-सेवा तथा जनकल्याण के कार्यों को समर्पित रहा। उनका विनम्र व्यवहार, सेता-भाव और समाज के प्रति समर्पण सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। वे एक सज्जन, सौम्य एवं दूरदर्शी व्यक्तित्व के धनी थे, जिन्होंने अपने जीवन द्वारा समाज में सेवा, करुणा और सदाचार का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। महाविद्यालय परिवार ने दिवंगत पुण्यात्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की कि वे दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल गोयनका परिवार, विशेषकर आदरणीय डॉ. सुभाष चंद्र एवं समस्त परिजनों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति, साहस एवं धैर्य प्रदान करें। मौके पर कॉलेज स्टाफ व अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

अग्रवाल सेवा समिति ने वार्ड 13 में पंचमुखी बालाजी पार्क में चलाया पौधरोपण अभियान

हिसार। अग्रवाल सेवा समिति, अर्बन एस्टेट की ओर से वार्ड 13 स्थित श्री पंचमुखी बालाजी पार्क पुराने हुडा कार्यालय के समीप वार्ड पार्षद संजय डालमिया की अध्यक्षता में 101 पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर मंडलायुक्त गीता भारती एवं मेयर प्रवीण पोपली मुख्य अतिथि रहे जबकि कार्यक्रम में जगदीश जिंदल, पार्षद जगमोहन मित्तल, ललित शर्मा व श्री पंचमुखी बालाजी पार्क के प्रधान दिनेश बिश्नोई उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पहुचे अतिथियों ने कहा कि पोधरोपण का अर्थ है नए पौधे लगाना, जो हमें शुद्ध ऑक्सीजन प्रदान करने, पर्यावरण संतुलन बनाए रखने, और प्रदूषण कम करने के लिए अति आवश्यक है। पेड़ पौधे हानिकारक गैसों को सोखकर हमें जीने के लिए ऑक्सीजन देते हैं। इस मौके पर अग्रवाल सेवा समिति के सभी सदस्य व वार्ड वासी मुख्य तौर पर उपस्थित रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 7988727916, 9315429403, 9253681005

स्वदेशी जागरण मंच के सावन तीज महोत्सव में रही गीतों और झूलों की धूम, स्वदेशी उत्पादों को मिला प्रोत्साहन

हिसार। स्वदेशी जागरण मंच द्वारा आयोजित सावन तीज महोत्सव में कार्यक्रम प्रस्तुत करती छात्राएं।

- स्वदेशी जागरण मंच के सावन तीज महोत्सव में सावन तीज के गीत गाते हुए छात्राओं ने जमाया रंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

स्वदेशी जागरण मंच की ओर से आयोजित सावन तीज महोत्सव में महिलाओं व बच्चों ने बढ़-चढक़र हिस्सा लिया। इस दौरान तीज के गीतों, झूलों व स्वदेशी उत्पादों की धूम रही और शहरवासियों ने महोत्सव का खूब आनंद उठाया। इस महोत्सव में 700 से अधिक महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करवाई। डीएन कॉलेज रोड स्थित अग्रवाल कॉलोनी के नारायणी सेवा सदन में महोत्सव का शुभारंभ 29वें स्वदेशी सत्संग, गणेश वंदना एवं हनुमान चालीसा पाठ से हुआ। प्रसिद्ध भजन गायक सुमित मित्तल व सतीश भुटानी ने अपने मधुर भजनों से उपस्थित श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया तथा सभी भक्तजन भक्ति रस में झूम उठे। इस अवसर पर स्वदेशी जागरण मंच द्वारा संचालित ब्यूटी पार्लर कोर्स, मेहंदी रचाओ कोर्स एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कोर्स को सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाली छात्राओं को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। उत्सव में मुख्य अतिथि आरएसएस के विभाग संचालक पवन जिंदल व मेयर की पत्नी मंजू पोपली रहीं। उन्होंने स्वदेशी जागरण मंच के सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यों की सराहना करते हुए महिलाओं को स्वदेशी विचारधारा अपनाने का संदेश दिया। महोत्सव के दौरान छात्राओं व महिलाओं ने हरियाणवी व राजस्थानी परिधान में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करके मन मोह लिया। इस अवसर पर महिलाओं के लिए अनेक मनोरंजक प्रतियोगिताओं एवं खेलों का आयोजन किया गया, जिनमें गुब्बारा फोड़ प्रतियोगिता विशेष आकर्षण का केंद्र रही। महिलाओं ने विभिन्न खेलों के विजेताओं को सम्मानित किया गया। तीज महोत्सव में स्वदेशी हाट का भी आयोजन किया गया, जहां स्थानीय एवं स्वदेशी उत्पादों, व्यंजनों तथा हस्तनिर्मित वस्तुओं के स्टॉल लगाए गए।

हिसार। उपस्थित नव नियुक्त पटवारी एवं दी रेवेन्यू पटवार एवं कानूनगो एसोसिएशन के पदाधिकारी।

दी रेवेन्यू पटवार एवं कानूनगो एसो. ने किया नए पटवारियों का स्वागत

हिसार। दी रेवेन्यू पटवार एवं कानूनगो एसोसिएशन की जिला इकाई ने हरियाणा सरकार की ओर से हाल ही में नियुक्त किए गए पटवारियों के सम्मान में एक भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसोसिएशन के जिला प्रधान प्रीतम सिंह बेनीवाल ने की, जबकि मंच संचालन जिला सचिव गुरुदेव शर्मा ने किया। जिला प्रधान प्रीतम सिंह बेनीवाल ने अपने संबोधन में कहा कि नव नियुक्त पटवारी विभाग की नई ऊर्जा हैं। उनसे अपेक्षा है कि वे अपने कार्य व्यवहार से विभाग की गरिमा को और अधिक बढ़ाएंगे तथा जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे। उन्होंने सभी नव नियुक्त साथियों से विभागीय नियमों का पालन करते हुए निष्पक्ष एवं उत्तरदायित्वपूर्ण कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान एसोसिएशन की जिला कार्यकारिणी की बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें जिलास्तर पर पटवारियों एवं कानूनगों से संबंधित विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि अनेक समस्याएं उप मंडल अधिकारी (एसडीएम) स्तर पर लंबे समय से लंबित हैं। इन समस्याओं के शीघ्र समाधान के लिए जिला कार्यकारिणी जल्द ही संबंधित अधिकारियों से वार्ता कर ठोस एवं प्रभावी कदम उठाएगी।